वर्ष : 17 अंक : 218 मूल्य : 02 रुपया मात्र पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित

शुक्रवार 29 मई 2026

लोकतंत्र का स्तंभ

ईरान-अमेरिका में संघर्ष तेज, कुवैत पर हमला

नौसेना कमांडर अजमाई की मौत का अंदेशा, यूएस एयरबेस को निशाना बनाया

ट्रंप के सख्त तेवर: कहा- या तो अमेरिकी शर्तों पर समझौता होगा, या सैन्य बल से खत्म करेंगे मुद्दा

अमेरिका ने देर रात ईरान पर फिर की एयरस्ट्राइक, कई ड्रोन मार गिराए

एजेंसी। तेहरान/वाशिंगटन/कुवैत सिट

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को आज तगड़ा झटका लगा है। अमेरिका के हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नौसेना कमांडर अली अजमाई के मारे जाने का अंदेशा जताया गया है। हालांकि ईरान ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। ईरान ने इस हमले के बाद एक अमेरिकी एयर बेस को निशाना बनाया है। कुवैत पर ड्रोन और मिसाइलें दागी गई हैं। कुवैत का कहना है कि एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को रोक रहा है। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार यूएस सेंट्रल कमांड ने 27/28 मई की दरमियानी रात ईरान के बंदरगाह शहर बंदर अब्बास पर हमला कर आईआरजीसी के नौसेना कमांडर अली अजमाई का निशाना बनाया। आशंका है कि इस हमले में अजमाई मारे गए हैं। अजमाई आईआरजीसी के एक वरिष्ठ नौसेना कमांडर हैं। उन्हें कुछ समय पहले आईआरजीसी की नौसेना का नया कमांडर नियुक्त किया गया। रिपोर्ट के अनुसार अली अजमाई के हश्र को लेकर ईरान में कई तरह की अटकलें है। बंदर अब्बास पर किए गए हमले से अमेरिका के साथ ईरान का तनाव बढ़ गया है। इस संघर्ष पर नजर रखने वाले समूह, 'द ईरान वॉचर' ने कहा

कि "अपुष्ट रिपोर्टों" से पता चलता है कि अजमाई को संभवतः मार गिराया गया है। हालांकि ईरानी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से अजमाई की स्थिति पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वरिष्ठ कमांडर अजमाई को निशाना बनाया जाना आईआरजीसी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। उनकी गिनती नौसेना के सबसे वरिष्ठ और श्रेष्ठ कमांडर के रूप में होती रही है। वह इस बल के पांचवें नौसैनिक क्षेत्र का नेतृत्व कर कर रहे थे। यह बल रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कमान है। इसके पास अरब खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में होने वाले अभियानों की देखरेख करना है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल परिवहन का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है। कुवैत टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, देश की हवाई सुरक्षा ने ड्रोन और मिसाइल हमलों को विफल कर दिया है। कुवैत सेना की हवाई सुरक्षा प्रणाली ने आज सुबह दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया। सेना के जनरल स्टाफ ने बयान में कहा कि कुवैत के कुछ हिस्सों में जो जोरदार धमाके सुनाई दिए। वे इन्हीं ड्रोन और मिसाइलों को रोकने की कार्रवाई का नतीजा थे। सेना ने सभी लोगों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। इस कुवैत आर्मी ने एक्स पोस्ट पर जानकारी दी है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन खतरों का जवाब दे रहे हैं। सीएनएन, सीबीएस न्यूज और एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बंदर अब्बास पर हुए हमले का ईरान ने अमेरिका को जवाब दिया है। आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने बंदर अब्बास पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए यूएस एयरबेस को निशाना बनाया है। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका को हर हमले का मुंहतोड़ जवाव दिया जाएगा। आईआरजीसी का यह बयान सरकारी प्रेस टीवी चैनल के टेलीग्राम अकाउंट पर दिखाया गया। इससे पहले सोमवार को भी अमेरिका ने ईरानी मिसाइल ठिकानों और नावों पर हवाई हमले किए थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, ये नाव होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाने की तैयारी कर रही थीं। ईरान ने इस घमासान के बीच कहा कि ओमान को किसी भी कीमत पर अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है। ईरान ओमान के साथ पूरी एकजुटता के साथ से खड़ा है। इससे पहले ट्रंप ने ओमान को धमकी दी थी कि अगर उसने ईरान के साथ मिलकर हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण करने की कोशिश की तो उस पर हमला किया जाएगा। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाक़ाई ने ईरान और क्षेत्र के कुछ अन्य देशों के खिलाफ अमेरिकी धमकी की आलोचना करते हुए कहा कि ओमान हमारा मित्र देश है। ओमान की तरह निगाह उठाने वाले को कड़ा जवाब दिया जाएगा। ट्रंप ने बुधवार को कहा था कि यह होर्मुज सभी के लिए खुला रहेगा और अमेरिका ही इसकी निगरानी करेगा। उन्होंने ओमान को दखल न देने की चेतावनी देते हुए कहा था कि वह बाकी सभी देशों की तरह ही बर्ताव करे, वरना अमेरिका उसे उड़ा देगा। सनद रहे कि ईरान पहले भी कह चुका है कि इस जलडमरूमध्य के प्रबंधन से अमेरिका का कोई लेना-देना नहीं है। ईरान और ओमान मिलकर इस जलमार्ग का प्रबंधन करेंगे।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

शक्ति और अधिकार के साथ जवाबदेही, पहले सजा फिर सुनवाई, न्याय सिद्धांत नहीं

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सत्ता का अंतिम स्रोत जनता मानी गई है। संविधान ने नागरिकों को केवल अधिकार ही नहीं दिए, बल्कि राज्य की शक्तियों की सीमाएं भी निर्धारित की हैं। विधायिका कानून बना सकती है, कार्यपालिका उनका क्रियान्वयन कर सकती है और न्यायपालिका उनकी संवैधानिक समीक्षा कर सकती है, लेकिन इन तीनों संस्थाओं के ऊपर संविधान सर्वोच्च माना गया है। इसी कारण मौलिक अधिकारों को लोकतंत्र की आत्मा कहा गया है। संविधान स्पष्ट रूप से यह व्यवस्था करता है कि कोई भी ऐसा कानून या प्रशासनिक आदेश वैध नहीं माना जा सकता जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो।

न्यायपालिका को इसी उद्देश्य से न्यायिक समीक्षा का अधिकार दिया गया ताकि वह संविधान की मूल भावना की रक्षा कर सके। भारतीय इतिहास में अनेक अवसरों पर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों ने सरकारों के निर्णयों को असंवैधानिक घोषित करते हुए नागरिक अधिकारों की रक्षा की है। आपातकाल का उदाहरण भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे विवादास्पद अध्याय माना जाता है। 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए थे, हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं को नजरबंद किया गया और प्रेस की स्वतंत्रता सीमित कर दी गई। हालांकि संविधान में आपातकाल का प्रावधान मौजूद था, लेकिन बाद में जनता ने चुनाव के माध्यम से अपनी असहमति व्यक्त की और सत्ता परिवर्तन हुआ। यह घटना इस बात का प्रमाण भी बनी कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। वर्तमान समय में भी विभिन्न कानूनों, जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली, लंबी न्यायिक प्रक्रियाओं, बेरोजगारी, परीक्षा घोटालों और प्रशासनिक सख्ती को लेकर समाज के अलग-अलग वर्गों में असंतोष दिखाई देता है। युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी तथा आंदोलनों पर बल प्रयोग जैसी घटनाओं ने अविश्वास का वातावरण पैदा किया है।

जब नागरिकों को यह महसूस होने लगे कि उनकी समस्याओं का समाधान संस्थागत माध्यमों से नहीं हो रहा, तब सामाजिक तनाव बढ़ने लगता है। हालांकि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह आवश्यक है कि आलोचना तथ्यों और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो। न्यायपालिका, चुनाव आयोग, संसद, मीडिया और प्रशासन जैसी संस्थाओं पर विश्वास लोकतंत्र की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण होता है। यदि इन संस्थाओं के प्रति व्यापक अविश्वास उत्पन्न होता है, तो समाज में अराजकता और भीड़तंत्र की स्थिति पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है। पिछले एक दशक में संवैधानिक संस्थाओं एवं कार्यपालिका के प्रमुख पदों पर बैठे लोग सरकार के दबाव में काम करते थे। अब यही आरोप न्यायपालिका पर भी लगने लगे हैं। अदालतें सरकारी और पूंजीपतियों के दबाव में निर्णय करती है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी का फ्रांस और स्लोवाकिया का अहम दौरा: जी7 में वैश्विक मंथन

ट्रंप से अलग से मुलाकात को लेकर संशय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले माह फ्रांस और स्लोवाकिया के महत्वपूर्ण दौरे पर जा रहे हैं, जो भारत और यूरोप के बीच बढ़ते रणनीतिक व कारोबारी रिश्तों को नई ऊंचाई देगा। अपने इस अहम दौरे के दौरान वे फ्रांस में होने वाले 52वें जी-7 शिखर सम्मेलन में दुनिया के शीर्ष नेताओं के साथ वैश्विक मुद्दों पर गहन मंथन करने वाले है। वहीं स्लोवाकिया की अपनी यात्रा के साथ एक नया इतिहास भी रचने वाले है। रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी 15 से 17 जून तक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के विशेष निमंत्रण पर एवियां-ले-बां शहर में आयोजित 52वें जी7 शिखर सम्मेलन में आउटरीच पार्टनर के रूप में शामिल हो रहे है। यह पांचवीं बार होगा जब पीएम मोदी जी7 समिट का हिस्सा बन रहे है। जिसकी शुरुआत फ्रांस ने ही की थी। अपनी इस यात्रा के दौरान वे नीस और पेरिस का दौरा करने वाले हैं, जहां प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के नेता महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने वाले है। जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी हिस्सा ले रहे है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि पीएम मोदी और ट्रंप के बीच कोई अलग से द्विपक्षीय वार्ता होगी या नहीं। दोनों नेताओं के बीच आखिरी आमने-सामने की मुलाकात फरवरी 2025 में हुई थी, जिसके बाद मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान मध्यस्थता को लेकर ट्रंप के दावों, टैरिफ लगाने और भारत पर की गई उनकी विवादास्पद टिप्पणी (हेलहोल) के कारण संबंधों में थोड़ी खटास आई थी।

सीबीएसई मूल्यांकन विवाद: छात्रों के हित में है ऑन-स्क्रीन मार्किंग, कमियों की जिम्मेदारी लेता हूँ

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर चल रहे विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को आश्वासन दिया कि यदि इस प्रक्रिया में कोई जानबूझकर की गई लापरवाही या गड़बड़ी पाई जाती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि सीबीएसई ने लगभग चालीस करोड़ स्कैन किए गए पन्नों से जुड़ा एक बड़ा डिजिटल मूल्यांकन अभियान चलाया है। परीक्षा में शामिल हुए सत्रह लाख छात्रों में से सीबीएसई ने करीब अठावन लाख उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित रखा है। प्रत्येक उत्तर पुस्तिका में लगभग चालीस पन्ने होते हैं, यानी कुल मिलाकर करीब चालीस करोड़ स्कैन किए गए पेज। पहली बार सीबीएसई ने ऑन-स्क्रीन मार्किंग के जरिए मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी की है। ओएसएम को एक प्रगतिशील और छात्र-हितैषी पहल बताते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दुनियाभर के कई विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थान छात्रों के लिए पारदर्शिता और पहुंच में आसानी सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह की प्रणालियां अपना रहे हैं। यह प्रणाली छात्रों को अपनी उत्तर पुस्तिकाएं देखने और अपने अंकों से जुड़े किसी भी संदेह को दूर करने में मदद करती है। ओएसएम को छात्रों के हितों को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है, हालांकि, कुछ कमियां सामने आई हैं और वे उनकी जिम्मेदारी लेते हैं। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी छात्र के सवालों का जवाब मिले बिना न रहे।

एनएचएआई टीओटी, इन्विट मॉडल से राजमार्ग परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण करेगा

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) वित्त वर्ष 2026-27 में राष्ट्रीय राजमार्ग परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण शुल्क-संचालन-हस्तांतरण (टीओटी) और बुनियादी ढांचा निवेश न्यास (इन्विट) मॉडल के तहत करेगा। इस सूची में राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) के माध्यम से प्रस्तावित परिसंपत्तियां शामिल नहीं होंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह पहल सरकार की परिसंपत्ति मुद्रीकरण रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य परिचालन राष्ट्रीय राजमार्ग परिसंपत्तियों से पूंजी जुटाना, निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना और राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार व आधुनिकीकरण तेज करना है। इससे निवेशकों और बोलीदाताओं को अपनी योजनाएं कुशलतापूर्वक बनाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि पहचानी गई परिसंपत्तियों की कुल लंबाई 1692.5 किलोमीटर है, जो नौ राज्यों- हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र में फैली हुई हैं। ये परियोजनाएं आर्थिक और परिवहन गलियारों चलाई जाएंगी, जिनमें यातायात की पर्याप्त क्षमता और मजबूत संपर्क है। एनएचएआई ने 17 परियोजनाओं की सूची अपनी वेबसाइट पर दी है। मुद्रीकरण प्रक्रिया पारदर्शी और संरचित तंत्र के माध्यम से टीओटी और इन्विट ढांचे के तहत की जाएगी।

फिजी में बंदरगाह बनाएगा क्वाड, चीन की बढ़ेगी चिंता

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत समेत चार देशों की रणनीतिक पहल

ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के विदेश मंत्रियों ने फिजी में एक नए बंदरगाह के निर्माण पर सहमति जताकर प्रशांत महासागर क्षेत्र में बड़ा रणनीतिक संदेश दिया है। नई दिल्ली में आयोजित क्वाड देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान इस परियोजना की घोषणा की गई। इसे चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की दिशा में क्वाड का पहला बड़ा साझा इंफ्रास्ट्रक्चर कदम माना जा रहा है। बैठक में ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग, भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो शामिल हुए थे। अमेरिका के विदेश मंत्री रूबियो ने कहा कि प्रशांत द्वीपीय देशों में बंदरगाह क्षमता की कमी को दूर करने के लिए क्वाड देश फिजी के साथ मिलकर काम करेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, फिजी में बंदरगाह निर्माण का उद्देश्य केवल व्यापारिक ढांचा मजबूत करना नहीं है, बल्कि यह प्रशांत महासागर में चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक सक्रियता का जवाब भी है। चीन पिछले कई वर्षों से छोटे द्वीपीय देशों को कर्ज देकर वहां अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है। हाल ही में सोलोमन आइलैंड्स के साथ चीन के सुरक्षा समझौते ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की चिंता बढ़ा दी थी। भारत के लिए यह परियोजना कई मायनों में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फिजी की आबादी में लगभग 37 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक व ऐतिहासिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। फिजी में करीब तीन लाख से अधिक भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जिन्हें गिरमिटिया समुदाय के रूप में जाना जाता है। भारत इस परियोजना के जरिए प्रशांत द्वीपीय देशों के संगठन एफआईपीआईसी (फोरम फॉर इंडिया-पेसिफिक आइस्लेंड्स कोपरेशन) के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करना चाहता है। इसके अलावा समुद्री सुरक्षा, अवैध मछली पकड़ने और संदिग्ध जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखने में भी यह बंदरगाह महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अब तक केवल रणनीतिक चर्चा तक सीमित माने जाने वाले क्वाड ने इस परियोजना के जरिए यह संकेत दिया है कि वह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन को सीधे चुनौती देने के लिए तैयार है।

सत्ता गंवाते ही तृणमूल कांग्रेस में मची भगदड़, वामदलों जैसा संकट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर वैसा ही ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल रहा है, जैसा पहले भी राज्य के राजनीतिक इतिहास में दर्ज हो चुका है। इस साल हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत और सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद से तृणमूल कांग्रेस के भीतर गंभीर अस्थिरता साफ दिखाई दे रही है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में 2011 में वामपंथी सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद टीएमसी ने करीब 15 साल तक राज्य की सत्ता संभाली। सत्ता में आते ही ममता बनर्जी ने वामदलों को संगठनात्मक रूप से बेहद कमजोर कर दिया था, लेकिन आज वही संकट खुद टीएमसी के सामने खड़ा हो गया है। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता लगातार साथ छोड़ रहे हैं और भाजपा की तरफ झुकाव बढ़ा रहे हैं, हालांकि भाजपा ने अभी अपने दरवाजे पूरी तरह नहीं खोले हैं। टीएमसी की सांगठनिक स्थिति इतनी नाजुक हो चुकी है कि टिकट मिलने के बावजूद उम्मीदवार मैदान छोड़कर पीछे हट रहे हैं। फाल्ता विधानसभा क्षेत्र में मतदान से महज कुछ घंटे पहले टीएमसी प्रत्याशी जहांगीर के मैदान छोड़ने से पार्टी को बड़ा झटका लगा।

भारत-चीन सीमा डब्ल्यूएमसीसी की बैठक बीजिंग में हुई, द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने पर जोर

नई दिल्ली/बीजिंग। भारत और चीन के बीच सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 35वीं बैठक बुधवार को बीजिंग में सौहार्दपूर्ण एवं माहौल में संपन्न हुई। इसमें दोनों पक्षों ने चीन में होने वाली विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की आगामी बैठक के लिए ठोस आधार तैयार करने के लिए मिल कर काम करने का संकल्प लिया। विदेश मंत्रालय के आज यहां जारी बयान के अनुसार, बैठक में दोनों देशों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया, जिसने द्विपक्षीय संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस महत्वपूर्ण बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) सुजीत घोष ने किया। वहीं, चीन के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई वहां के विदेश मंत्रालय के सीमा और समुद्री मामलों के विभाग की महानिदेशक सुश्री होउ यांकी ने की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच अत्यंत रचनात्मक और दूरदर्शी चर्चा हुई। दोनों देशों के राजनयिकों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की व्यापक समीक्षा की। दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति जताई कि सीमा पर स्थिरता और शांति बनाए रखने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं।

चावल उत्पादन में चीन को पछाड़ कर भारत बना नंबर वन: शिवराज

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि वर्ष 2025-26 में देश का कुल अनुमानित खाद्यान्न उत्पादन 3,765.63 लाख टन तक पहुंच गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 188 लाख टन अधिक है। वहीं, चावल उत्पादन में भारत ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि चावल का उत्पादन 1,540.24 लाख टन तक पहुंच गया है और चीन को पछाड़ कर अब दुनिया में भारत नंबर वन बन गया है। उन्होंने बताया कि गेहूं का उत्पादन 1,206.57 लाख टन और मक्का का उत्पादन 550.92 लाख टन दर्ज किया गया है जो अपने आप में रिकॉर्ड स्तर है। दिल्ली स्थित पूसा परिसर में गुरुवार को खरीफ सम्मेलन से संबंधित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की आजीविका को बेहतर बनाना और देशवासियों को पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूसा में शुरु हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय खरीफ अभियान-2026 में देशभर के कृषि मंत्री, वैज्ञानिक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हो रहे हैं। आईसीएआर, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि भी इस महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा बने हैं। सम्मेलन में खरीफ सीजन की तैयारी को लेकर दो दिनों तक विस्तार से चर्चा और समीक्षा की जाएगी। इसका उद्देश्य किसानों को बेहतर योजना, बेहतर तकनीक और बेहतर समर्थन मिले। इस मौके पर शिवराज चौहान ने कहा कि केवल खाद्यान्न ही नहीं बल्कि तिलहन उत्पादन में भी देश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

45 डिग्री पार पारा: भारतीय शहरों को भीषण गर्मी से बचाने मैदान में उतरा "एआई"

एजेंसी। नई दिल्ली

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बनेगा शहरों का सुरक्षा कवच?
- मौसम का अनुमान ही नहीं, अब हीटवेव से जंग की रणनीति

भारत में लगातार बढ़ती हीटवेव (भीषण गर्मी) अब सिर्फ एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि जनजीवन, स्वास्थ्य, बिजली ग्रिड और शहरी प्लानिंग के लिए एक बड़ा संकट बन चुकी है। इस चुनौती से निपटने के लिए अब मौसम एजेंसियां और विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सहारा ले रहे हैं। मकसद सिर्फ मौसम का अनुमान लगाना नहीं, बल्कि शहरों को इस आपदा से निपटने के लिए पहले से तैयार करना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में रेड और सीवियर हीटवेव अलर्ट जारी किया है, जहाँ तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। इस भीषण गर्मी का सीधा असर सेहत पर दिख रहा है; हाल ही में तेलंगाना में हीटस्ट्रोक से 16 लोगों की मौत हुई है और आंध्र प्रदेश में भी गर्मी से जुड़ी बीमारियाँ तेजी से बढ़ी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मौसम की भविष्यवाणी तो बस शुरुआत है। असली ज़रूरत शहरों के उन हिस्सों की पहचान करना है जहाँ खतरा सबसे ज्यादा है। एआई इस काम को बखूबी अंजाम दे रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों, हरियाली के ग्राफ, इमारतों के घनत्व और जमीन के तापमान का विश्लेषण करके एआई शहरों के बेहद गर्म इलाके की पहचान कर रहा है। इस डेटा की मदद से प्रशासन यह तय कर सकता है कि किन इलाकों में तुरंत पेड़ लगाने की ज़रूरत है, कहाँ कूल रूफ (गर्मी सोखने वाली छतें) बनाई जाएं और कहाँ छायादार सार्वजनिक स्थान विकसित किए जाएं। फ्लेम यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अंजल प्रकाश के अनुसार, एआई मौसम के भारी-भरकम डेटा को स्थानीय स्तर पर काम आने वाले फैसलों में बदल सकता है। उदाहरण के लिए, एआई यह अनुमान लगा सकता है कि किस इलाके के लोग गर्मी से सबसे पहले बीमार पड़ सकते हैं, जिससे प्रशासन वहां पहले से एम्बुलेंस और अस्पताल की व्यवस्था कर सके।

राजनीतिक उलटफेर: डीके अगले सीएम, समर्थक खुशी से झूमते दिखे

कर्नाटक। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के इस्तीफे की खबर सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। इस खबर के बाद उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के घर पर जश्न का माहौल बन गया है, जो राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। बेंगलुरु के सदाशिवनगर स्थित उनके आवास के बाहर समर्थकों की भारी भीड़ जमा हो गई। समर्थक खुशी से झूमते, नारे लगाते और मिठाइयां बांटते दिखाई दिए। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस और सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। सूत्रों के अनुसार, सिद्दारमैया ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के सामने अपने इस्तीफे के फैसले की घोषणा की। उन्होंने राज्य की आर्थिक स्थिति, सरकारी गारंटी योजनाओं को लागू करने की चुनौतियों और भविष्य में कल्याणकारी कार्यक्रमों को जारी रखने की आवश्यकता पर बात की। बताया जाता है कि सिद्दारमैया ने मंत्रियों को सूचित किया कि कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें डीके को अगला मुख्यमंत्री बनाने का निर्देश दिया है। मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने इस घोषणा पर अपनी सहमति और समर्थन व्यक्त किया, जिसके बाद सिद्दारमैया ने उनसे सुशासन और कल्याणकारी कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाना जारी रखने का आग्रह किया।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-
TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सीएक्यूएम ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए गाजियाबाद में तैनात किए 10 फ्लाइंग स्क्वाड

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए गाजियाबाद में एक विशेष निरीक्षण अभियान चलाया है। आयोग ने इस अभियान के तहत धूल नियंत्रण के मानकों को सख्ती से लागू करने और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य के लिए 10 फ्लाइंग स्क्वाड को तैनात किया गया है।सीएक्यूएम के अनुसार, वायु गुणवत्ता में सुधार और नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए आयोग ने विशेष रणनीति तैयार की है। इसके तहत गाजियाबाद नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाली विभिन्न प्रमुख सड़कों और इलाकों की जांच के लिए 10 विशेष 'फ्लाइंग स्क्वॉड' (उड़न दस्ते) तैनात किए गए हैं। आयोग ने कहा, "धूल को कम करने के लिए तय किए गए उपायों को लागू करने में किसी भी तरह की चूक या संबंधित अधिकारियों की लापरवाही को बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। इसके अलावा, वायु प्रदूषण के हॉटस्पॉट की पहचान करने और स्थानीय प्रदूषण के स्रोतों को कम करने के चल रहे प्रयासों के तहत दिल्ली-एनसीआर में 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के तहत निरीक्षण अभियान जारी रहेंगे।"

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन में वीर सावरकर को दी श्रद्धांजलि

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अनेक केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों और पूर्व सांसदों ने भी वीर सावरकर को नमन किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में स्थापित स्वातंत्र्यवीर वीडी सावरकर का चित्र प्रसिद्ध कलाकार चंद्रकला कुमार कदम द्वारा बनाया गया था। इस चित्र का आधिकारिक अनावरण 26 फरवरी, 2003 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा किया गया था।उल्लेखनीय है कि, स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर, जिन्हें वीर सावरकर के नाम से जाना जाता है, का जन्म 28 मई, 1883 को हुआ था। वे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख क्रांतिकारी, कवि, लेखक और समाज सुधारक थे। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और युवाओं को राष्ट्रभक्ति एवं क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए प्रेरित किया। वीर सावरकर ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की सेल्युलर जेल में कठोर कारावास के दौरान अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। सामाजिक सुधार और आधुनिक भारत के निर्माण के समर्थक सावरकर ने तर्कवाद, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को बढ़ावा दिया। उनका जीवन और विचार आज भी देशभक्ति, साहस और सामाजिक सुधार की प्रेरणा देते हैं।

हर्ष मल्होत्रा के दिल्ली भाजपा अध्यक्ष बनने पर नेताओं ने दी बधाई

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा को भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर पार्टी के नेताओं ने उन्हें बधाई दी है।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि हर्ष मल्होत्रा भाजपा की विचारधारा को और अधिक मजबूती से जन-जन तक पहुंचाएंगे। उन्होंने हर्ष मल्होत्रा के सफल और प्रभावी कार्यकाल की कामना की।केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हर्ष मल्होत्रा को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया जाना अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि संगठन के प्रति हर्ष मल्होत्रा का दीर्घकालिक समर्पण, जमीनी कार्यशैली और कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय जुड़ाव सदैव प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में दिल्ली भाजपा संगठन और अधिक सशक्त होगा और विकसित दिल्ली के संकल्प को नई गति मिलेगी।दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने हर्ष मल्होत्रा को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊर्जा, मजबूती और जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि लंबे समय से संगठन से जुड़े हर्ष मल्होत्रा के अध्यक्ष बनने से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित दिल्ली और विकसित भारत के विजन को दिल्ली भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता नई ऊर्जा और उत्साह के साथ आगे बढ़ाएगा।भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी हर्ष मल्होत्रा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में दिल्ली भाजपा नई ऊंचाइयों को हासिल करेगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले वीरेंद्र सचदेवा भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष थे।

ओएसएम पर उठ रहे सवालों के बीच प्रधान बोले- किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम को लेकर उठ रहे सवालों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को इस ओएसएम सिस्टम का खुलकर समर्थन करते हुए कहा कि दुनिया के तमाम देशों में इसे अपनाया जा रहा है। उन्होंने छात्रों एवं अभिभावकों को आश्वासन दिया कि किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री प्रधान ने सीबीएसई मुख्यालय में शीर्ष अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, "सीबीएसई ने पहली बार इस सिस्टम को लागू किया है। इसमें कुछ विसंगति ध्यान में आई हैं। इसका मैं दायित्व लेता हूं। इसका उपाय निकाला जाएगा। इसके लिए हमसब जुटे हैं।" प्रधान ने कहा कि तकनीकी और पेमेंट संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। इनमें इस पूरी तकनीक, कोडिंग और सॉफ्टवेयर की जांच के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास के निदेशकों और उनके विशेषज्ञ प्रोफेसरों की टीम को तैनात किया गया है। इसके अलावा, छात्रों को फीस भुगतान में आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए वित्त मंत्रालय के सहयोग से देश के 4 बड़े सरकारी बैंकों- एसबीआई, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक के पेमेंट गेटवे को सीबीएसई पोर्टल के साथ एकीकृत कर दिया गया है। उन्होंने आंकड़ों को सामने रखते हुए व्यवस्था की व्यापकता को समझाया कि परीक्षा में बैठे लगभग 17 लाख छात्रों की कुल 98 लाख कॉपियां थीं। प्रति कॉपी औसतन 40 पृष्ठों के हिसाब से लगभग 40 करोड़ पेज को स्कैन किया गया। अब तक लगभग 4 लाख छात्र अपनी करीब 11 लाख स्कैन की गई कॉपियां डाउनलोड कर चुके हैं और उनकी जांच कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एक भी छात्र की कॉपी की जांच को अनसुलझा नहीं छोड़ा जाएगा।मंत्री ने कहा कि ओएसएम का उद्देश्य छात्रों को पारदर्शिता के साथ उनकी उत्तर-पुस्तिका सौंपनी है ताकि वे अपने अंक देख सकें और अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकें।कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा डिजिटल मूल्यांकन के कॉन्ट्रैक्ट आवंटन में नियमों को दरकिनार करने के आरोपों और न्यायिक जांच की मांग पर शिक्षा मंत्री ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी निरंतर चुनाव हारने के कारण निराश हो चुके हैं। उन्होंने पहले राफेल, ईवीएम तथा डिजिटल इंडिया का विरोध किया और वे भारत की वैज्ञानिक प्रगति के साथ नहीं हैं। प्रधान ने कहा, "सीबीएसई ने कल ही जिम्मेदारी के साथ स्पष्ट किया है कि यह कॉन्ट्रैक्ट केंद्र सरकार की खरीद नीति के तहत ही दिया गया है। अगर फिर भी कोई गड़बड़ी पाई गई, तो चाहे वह सीबीएसई के अंदर का हो या बाहर का, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। हम सब लोकतंत्र में जवाबदेह हैं।" मंत्री प्रधान ने कहा, "यह समय राजनीति करने का नहीं है। हमारे 17 लाख बच्चों का हित सर्वोपरि है। इस विवाद से छात्रों का मानसिक तनाव पहले ही बढ़ा हुआ है। इसलिए हमें अपने व्यवहार या शब्दों से उनका तनाव और नहीं बढ़ाना चाहिए। मैं बच्चों को आश्वस्त करता हूं कि इस पूरी डिजिटल पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित कर लिया जाएगा।"

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 29 से 31 मई तक शिलांग दौरे पर रहेंगे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 29 से 31 मई तक मेघालय की राजधानी शिलांग के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे युवा मामलों, खेल अवसंरचना विकास और केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा से जुड़े कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। दौरे के दौरान डॉ. मांडविया युवा कार्य विभाग द्वारा आयोजित चिंतन शिविर में भी शामिल होंगे। इस अवसर पर मेघालय के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री शाकलियर वारजरी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।30 मई को केंद्रीय मंत्री मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा के साथ शिलांग में एकीकृत बहुउद्देश्यीय इंडोर खेल परिसर का उद्घाटन करेंगे। लगभग 132.9 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह आधुनिक खेल परिसर बास्केटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल सहित कई इंडोर खेलों की मेजबानी करने में सक्षम होगा।यह परिसर राष्ट्रीय खेलों के प्रमुख स्थलों में से एक के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें बहुउद्देश्यीय हॉल, सभागार, बैंक्वेट सुविधाएं और अन्य आधुनिक व्यवस्थाएं भी शामिल होंगी। इसी दौरान 39वें राष्ट्रीय खेल 2027 के लिए मेघालय के साथ मेजबान राज्य अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह कार्यक्रम भारतीय ओलंपिक संघ के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित होगा।डॉ. मांडविया 39वें राष्ट्रीय खेल 2027 की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। बैठक में मेघालय सरकार के अधिकारियों और पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा और प्रस्तुतियां होंगी।अपने दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री शिलांग स्थित उमसावली खेल परिसर का निरीक्षण भी करेंगे। वे यहां तैराकी और टेनिस सुविधाओं सहित राज्य में चल रहे खेल अवसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।31 मई को डॉ. मांडविया पूर्वोत्तर संपर्क सेतु पहल के अंतर्गत मेघालय के री-भोई जिले में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा करेंगे।

इंडो-रशियन एजुकेशन समिट 2026 का शुभारंभ, द्विपक्षीय शैक्षणिक सहयोग को मिली नई मजबूती

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली, भारत | द्वितीय इंडो-रशियन एजुकेशन समिट 2026 (IRES 2026) का आज नई दिल्ली में सफलतापूर्वक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर भारत और रूसी संघ के प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि, वरिष्ठ प्रतिनिधि, नीति निर्माता, शिक्षाविद् एवं संस्थागत प्रतिनिधि एक मंच पर एकत्रित हुए। रूस एजुकेशन द्वारा Rossotrudnichestvo, भारत में रूसी संघ के दूतावास तथा रशियन हाउस, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस समिट के उद्घाटन दिवस ने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, शैक्षणिक आदान-प्रदान और संस्थागत साझेदारी के क्षेत्र में भारत-रूस सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। उद्घाटन सत्र में रूसी संघ के कई प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें भारत में रूसी संघ के राजदूत महामहिम डेनिस अलीपोव; भारत में Rossotrudnichestvo प्रतिनिधि कार्यालय की प्रमुख डॉ. एलेना रेमिज़ोवा; रूसी संघ की स्वास्थ्य उपमंत्री डॉ. तात्याना सेम्योनोवा; Rossotrudnichestvo के उप प्रमुख डॉ. पावेल शेवत्सोव; तथा रूसी संघ के कृषि मंत्रालय के शिक्षा विभाग की निदेशक सुश्री यूलिया कोंडिकोवा शामिल थीं। इसके साथ ही उद्घाटन सत्र में भारत के कई प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया, जिनमें राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष डॉ. अभिजात चंद्रकांत शेठ; एसोसिएशन ऑफ इंडियन

यूनिवर्सिटीज़ के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक; हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. के.सी. शर्मा; एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज़ की सचिव डॉ. पंकज मित्तल; एमिटी एजुकेशन ग्रुप के कुलपति प्रो. गुरिंदर सिंह; शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रो. पी.के. गुप्ता; संतोष डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. वी.एन. महालक्ष्मी; इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. महेश वर्मा; भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से डॉ. वंदना चौधरी; तथा रूस एजुकेशन के उपाध्यक्ष एयर मार्शल (डॉ.) पवन कपूर (सेवानिवृत्त) शामिल थे। समिट के पहले दिन चार प्रमुख पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया, जिनमें चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), रोबोटिक्स, एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी, कृषि, खाद्य सुरक्षा, खेल, युवा सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इन चर्चाओं ने छात्र विनिमय, फैकल्टी एक्सचेंज, संयुक्त अनुसंधान, शैक्षणिक साझेदारी और दीर्घकालिक संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया।

सेल ने सीएसआर पहल के तहत स्मार्ट डिजिटल क्लासरूम के लिए एडसिल के साथ साझेदारी की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर पहल के तहत "स्मार्ट डिजिटल क्लासरूम" स्थापित करने के लिए एडसिल इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है।इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि देश की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और शिक्षा मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रम एडसिल इंडिया ने सेल के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 26 मई को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने कहा कि सेल और एडसिल के बीच इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर सेल के निदेशक (कार्मिक), के. के. सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सेल और एडसिल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस समझौते के तहत सेल के परिचालन क्षेत्रों के आसपास स्थित स्कूलों में 'स्मार्ट डिजिटल क्लास रूम्स' स्थापित किए जाएंगे।इस्पात मंत्रालय ने बताया कि इस सहयोग का उद्देश्य समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना और सीखने के परिणामों (लर्निंग आउटकम्स) को और आगे ले जाना है। ये परियोजना सीधे तौर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल विकास लक्ष्य-4 (एसडीजी-4) के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ सभी के लिए समावेशी, न्यायसंगत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सीखने के अवसर सुनिश्चित करना है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय अगली दिल्ली यात्रा में राहुल-सोनिया से मुलाकात करेंगे : क्रिस्टोफर तिलक

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय मुख्यमंत्री बनने के बाद बुधवार (27 मई) को पहली दिल्ली यात्रा पर आए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इसके बाद वे आज सुबह चेन्नै वापस रवाना हो गए। दिल्ली की पहली यात्रा मे सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे सहित किसी भी कांग्रेसी नेता से मुलाकात न करने सवाल उठने लगे थे। इन पर अटकलों पर विराम लगाते हुए राज्यसभा सदस्य एम. क्रिस्टोफर तिलक ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व कर्नाटक और झारखंड के मुद्दों में व्यस्त था। मुख्यमंत्री विजय जल्द ही फिर दिल्ली आएंगे और उस समय कांग्रेस नेताओं से मुलाकात करेंगे।एम. क्रिस्टोफर तिलक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय का दिल्ली दौरा पूरी तरह आधिकारिक था और कांग्रेस नेताओं की व्यस्तता के कारण मुलाकात टल गई। उन्होंने कहा कि विजय ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर वापस लौटने का फैसला किया और अगली यात्रा में राहुल गांधी तथा सोनिया गांधी से मुलाकात निश्चित रूप से होगी।

मनोहर लाल ने भलस्वा डंपसाइट का दौरा कर कार्यों की समीक्षा, 43 एकड़ भूमि हुई खाली

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने भलस्वा डंपसाइट का दौरा कर वहां चल रहे अपशिष्ट निस्तारण और भूमि पुनः प्राप्ति कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीकों से हो रही अपशिष्ट निस्तारण प्रक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप है।भलस्वा डंपसाइट को मंत्रालय ने कचरा स्थल निस्तारण एवं कार्य योजना (डीआरएपी) पहल के तहत अपनाया है। यह मिशन मोड कार्यक्रम देशभर के बड़े पुराने कचरा स्थल को वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित कर 'लक्ष्य शून्य कचार स्थल' हासिल करने पर केंद्रित है। उन्होंने सितंबर 2025 में इस साइट को औपचारिक रूप से अपनाने की घोषणा की थी।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि जून 2022 में यहां लगभग 73 लाख मीट्रिक टन अपशिष्ट था। जुलाई 2022 से प्रतिदिन लगभग 15 हजार मीट्रिक टन अपशिष्ट का जैव अपशिष्ट खनन किया जा रहा है। 26 मई 2026 तक शेष अपशिष्ट घटकर लगभग 23.17 लाख मीट्रिक टन रह गया है। अब तक करीब 43 एकड़ भूमि पुनः प्राप्त की जा चुकी है, जबकि कुल क्षेत्रफल लगभग 70 एकड़ है। मनोहर लाल ने समीक्षा के दौरान जैव अपशिष्ट खनन कार्यों, पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों, अग्नि रोकथाम, रिसाव (लीचेट) प्रबंधन और संपूर्ण निस्तारण रूपरेखा पर चर्चा की। उन्होंने सितंबर तक कचरा स्थल की पूरी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि रोजाना उत्पन्न होने वाले ताजा अपशिष्ट का तुरंत निस्तारण किया जाए ताकि नया पुराना कचरा न बने। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पुनः प्राप्त भूमि का उपयोग जनकल्याण और सार्वजनिक हित में किया जाए। इस दौरे में नगर निगम आयुक्त संजीव खिरवार, मुख्य अभियंता-प्रमुख पीसी मीना, मुख्य अभियंता केके शर्मा, उप आयुक्त शशि सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हर्ष मल्होत्राः भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष से दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तक का सफर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। मल्होत्रा अब वीरेंद्र सचदेवा का स्थान लेंगे, जो अब तक दिल्ली भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।दिल्ली भाजपा में पिछले कई महीनों से संगठनात्मक बदलाव की चर्चा चल रही थी। पिछले वर्ष जुलाई में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर दिल्ली के भाजपा सांसदों, दिल्ली सरकार के मंत्रियों, वरिष्ठ नेताओं और पूर्व प्रदेश अध्यक्षों से राय ली थी। यह भी चर्चा थी कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा से पहले दिल्ली भाजपा अध्यक्ष का नाम तय हो जाएगा, हालांकि बाद में यह फैसला टल गया था।मल्होत्रा वर्तमान में केंद्र सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री हैं। वह 2024 के लोकसभा चुनाव में पहली बार पूर्वी दिल्ली सीट से निर्वाचित हुए थे। भाजपा ने उन्हें पूर्व क्रिकेटर और तत्कालीन सांसद गौतम गंभीर के स्थान पर उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को 93,663 मतों के अंतर से हराया। हर्ष मल्होत्रा को 6,64,819 वोट मिले, जबकि कुलदीप कुमार को 5,71,156 मत प्राप्त हुए। पूर्वी दिल्ली क्षेत्र में हर्ष मल्होत्रा की मजबूत पकड़ मानी जाती है। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्वी दिल्ली में उनके समर्थन में चुनाव प्रचार किया था और जनता से उन्हें रिकॉर्ड मतों से जिताने की अपील की थी। भाजपा ने दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी और मल्होत्रा की जीत को संगठनात्मक मजबूती का परिणाम माना गया।मल्होत्रा का राजनीतिक सफर वर्ष 1984 में भारतीय जनता युवा मोर्चा से शुरू हुआ। छात्र जीवन के दौरान ही उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा। दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से विज्ञान में स्नातक करने के बाद उन्होंने वर्ष 1987 में एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। भाजपा संगठन में उन्होंने युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष, जिला युवा मोर्चा सचिव, जिला संगठन महामंत्री और जिला अध्यक्ष जैसे कई दायित्व संभाले।वर्ष 2005 में उन्हें नवीन शाहदरा जिले का संगठन महामंत्री बनाया गया और 2007 में जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। संगठन में उनकी सक्रियता और कार्यशैली के कारण उन्हें भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीबी नेताओं में गिना जाता है।नगर निगम राजनीति में उनका प्रवेश वर्ष 2012 में हुआ, जब वे वेलकम वार्ड से पार्षद निर्वाचित हुए। पूर्वी दिल्ली नगर निगम में उन्हें शिक्षा समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इस दौरान उन्होंने निगम स्कूलों के करीब 60 हजार बच्चों के लिए सुपोषण अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य कुपोषण के खिलाफ काम करना था। निगम स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल भी उनके कार्यकाल में शुरू हुई।वर्ष 2015-16 में हर्ष मल्होत्रा पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर बने। महापौर के रूप में उन्होंने अपशिष्ट प्रबंधन और 'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल पर जोर दिया। कचरे से बिजली बनाने और निर्माण मलबे के पुनर्चक्रण जैसी परियोजनाओं की शुरुआत भी उनके कार्यकाल में हुई। उन्हें नई पहल करने वाले नेता के रूप में भी देखा जाता है। सामाजिक क्षेत्र में भी उनकी सक्रियता रही है। वह दधीचि देहदान समिति के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे हैं। संगठन और जनसंपर्क में उनकी पकड़ के कारण भाजपा ने उन्हें दिल्ली संगठन में महासचिव और प्रशिक्षण विभाग जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी दीं।

संक्षिप्त समाचार

हसनपुर में वीर सावरकर जयंती पर सनातन जागरण मंच ने बाँटा शरबत राहगीरों को मिली गर्मी से राहत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः बृहस्पतिवार को गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सनातन जागरण मंच हसनपुर द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर जी की जयंती के शुभ अवसर पर पुरानी तहसील प्रांगण में शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी और लू के प्रकोप के बीच आयोजित इस कार्यक्रम से सैकड़ों राहगीरों, रिक्शा चालकों और स्थानीय लोगों को राहत मिली। सुबह से ही कार्यकर्ता पुरानी तहसील परिसर में जुट गए और ठंडे-मीठे शरबत के स्टॉल लगाए। दोपहर तक चले इस सेवा कार्य में लोगों ने बढ़-चढ़कर शरबत ग्रहण किया।कार्यक्रम के दौरान सनातन जागरण मंच के पदाधिकारियों ने वीर सावरकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि वीर सावरकर जी केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि महान विचारक, लेखक और समाज सुधारक भी थे। उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि"गर्मी में पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य है। वीर सावरकर जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा में लगा दिया। उनकी जयंती पर सेवा कार्य करके हम उनके विचारों को व्यवहार में उतारने का प्रयास कर रहे हैं।"इस अवसर पर सनातन जागरण मंच के सभी प्रमुख कार्यकर्ता एवं सदस्य मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने मंच के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सेवा और सद्भाव का संदेश देते हैं।कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ हुआ।

भ्रूण लिंग परीक्षण मामले में महिलाओं समेत 13 पर मुकदमा दर्ज

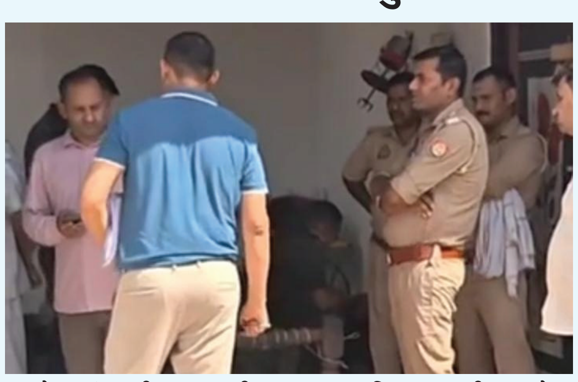

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर : हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने एक बड़े अंतर राज्य भ्रूण लिंग परीक्षण रैकेट का भंडाफोड़ किया, इस मामले में गुरुवार को पुलिस ने महिलाओं सहित 13 लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है, यह कार्यवाही हरियाणा और अमरोहा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने गोपनीय और संयोजित तरीके से की थी बता दे कि बुधवार को कोतवाली क्षेत्र के गांव चक् की मढ़िया में अमर सिंह के मकान पर छापेमारी की गई थी, टीम के पहुंचने पर पोर्टेबल अल्ट्रासाऊंड मशीन से अवैध रूप से भ्रूण लिंग परीक्षण किया जा रहा था अधिकारी को देखते ही मशीन संचालक और मुख्य आरोपी देवेंद्र निवासी कारनखाल मौके से फरार हो गया था लेकिन टीम ने उसे पीछा करके पकड़ लिया का, पीसीपीएनडीटी नोडल अधिकारी डॉ विश्वजीत राठी, झज्जर से डॉक्टर संदीप दलाल और अमरोहा के नोडल अधिकारी डॉ जसकरन सिंह गंगवार ने किया, अधिकारियों के अनुसार दलालों के जरिए दिल्ली हरियाणा की महिलाओं के लिंग परीक्षण के लिए यहां लाया जाता था और मोटी रकम वसूली जाती थी इस संबंध में कोतवाल राजेश तिवारी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की शिकायत के आधार पर पुलिस ने देवेंद्र, विपिन कुमार, रविंद्र सिंह उर्फ पोनी, रवि, ईशा,अमित, कुमारी मोनिका, अनीता, सजनी क्लिनिक, अमर सिंह, प्रकाश, गौरव और परवीन सहित कुल 13 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है 1

योगी सरकार में जल गुणवत्ता का परीक्षणः जल जीवन मिशन बना ग्रामीण महिलाओं की आय का नया जरिया

लोकतंत्र की शान : लखनऊ : उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत फील्ड टेस्टिंग किट (एफटीके) अभियान को महिला सशक्तीकरण और स्वावलंबन का बड़ा जरिया बना दिया है। प्रदेश के 97 हजार से अधिक गांवों में महिलाओं के विशेष समूह को इससे जोड़कर न केवल स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण ग्रामीण जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, बल्कि उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम भी बनाया गया है। गांवों में पानी की शुद्धता जांचने के बदले मिलने वाले मानदेय से ग्रामीण महिलाओं के लिए अतिरिक्त आय और स्वरोजगार के नए रास्ते भी खुले हैं। नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के विशेष सचिव एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रभास कुमार ने बताया कि इस मिशन के तहत प्रदेश के लगभग समस्त ग्राम पंचायतों और राजस्व गांवों में 05-05 महिलाओं के समूह को फील्ड टेस्टिंग किट उपलब्ध कराई गयी है। वर्तमान में प्रदेश के लगभग 97,070 गांवों में इन प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा पूरी सक्रियता के साथ जल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य किया जा रहा हैं। यह महिलाएं अपने-अपने क्षेत्रों में पेयजल स्त्रोतों एवं घरेलू नलों के जल नमूनों की नियमित जांच कर रही हैं। गुणवत्ता जांच की इस निरंतरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस चालू वित्तीय वर्ष में अब तक लगभग 63,700 जल गुणवत्ता नमूनों का परीक्षण पूरा किया जा चुका है।

पानी की जांच के लिए लंबा इंतजार खत्म-ग्राम स्तर पर यह महिलाएं एफटीके के जरिए पाइप लाइन, ट्यूबवेल समेत अन्य पेयजल स्त्रोतों में हानिकारक रसायनों और बैक्टीरिया का पता लगा रही हैं। संदिग्ध या दूषित जल स्त्रोतों की समय पर पहचान होने पर विभाग को तुरंत सूचना देती हैं, ताकि दूषित पानी से होने वाली विभिन्न जलजनित बीमारियों की रोकथाम तुरंत की जा सके। पहले जहां पानी की जांच के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से दूषित जल स्त्रोतों का पता चलते ही उन पर तत्काल कार्रवाई करना संभव हो पा रहा है।

झांसी : झमाझम बारिश से गर्मी में मिली राहत, कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि

लोक तंत्र की शान, झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में भीषण गर्मी और तेज तपिश से जूझ रहे लोगों को गुरुवार शाम अचानक बदले मौसम ने बड़ी राहत दी। दिनभर चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के बाद देर शाम मौसम ने करवट ली और महानगर सहित जिले के कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को दिन में झांसी का अधिकतम तापमान लगभग 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ही तेज धूप और उमस भरी गर्मी के कारण लोग बेहाल रहे। मौसम विभाग की ओर से पहले ही गर्मी और मौसम परिवर्तन को लेकर अलर्ट जारी किया गया था।

जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर टीम सम्मानित

» अधिशासी अधिकारी डॉ. मणिभूषण तिवारी के नेतृत्व में सम्भल नगर पालिका बना मिसाल

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य सबसे पहले पूर्ण करने पर नगरपालिका परिषद सम्भल में सुपरवाईजर नसीम हुसैन प्रवक्ता एवं उनकी टीम को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी एवं चार्ज जनगणना अधिकारी डॉ. मणिभूषण तिवारी तथा जनगणना सहायक प्रहलाद ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। सम्मानित किए गए प्रगणकों में आशकार हुसैन, फरजाना, साकिब अली खां, जावेद आलम, अनवर हुसैन एवं अहमद सादान शामिल रहे। कार्यक्रम में डॉ. मणिभूषण तिवारी ने कहा कि जनगणना जैसा महत्वपूर्ण कार्य पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ सम्पन्न होना चाहिए। उन्होंने टीम की मेहनत और जिम्मेदारी की भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि नगरपालिका परिषद सम्भल लगातार विकास और प्रशासनिक कार्यों में नई मिसाल कायम कर रही है। सुपरवाईजर नसीम हुसैन ने सभी प्रगणकों एवं सुपरवाईजरों से जनगणना कार्य में और तेजी लाने की अपील करते हुए कहा कि यदि सभी कर्मचारी इसी समर्पण के साथ कार्य करें तो जनपद सम्भल प्रदेश की जनगणना मेरिट में प्रथम स्थान प्राप्त कर सकता है। नगरपालिका परिषद सम्भल में डॉ. मणिभूषण तिवारी के कुशल नेतृत्व एवं सक्रिय कार्यशैली की बदौलत जनगणना कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है, जिसकी क्षेत्र में सराहना हो रही है।

डॉ. अनीस बेग ने दी ईद उल अजहा की दिली मुबारकबाद

बोले- "कुर्बानी का जज्बा इंसानियत और भाईचारे को मजबूत करता है"

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा): ईद उल अजहा के पाक मौके पर 125 कैंट विधानसभा क्षेत्र से समाजसेवी एवं जनप्रिय चेहरा डॉ. अनीस बेग ने देश, प्रदेश और बरेली की आवाम को दिली मुबारकबाद पेश करते हुए अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआ की। उन्होंने कहा कि ईद उल अजहा सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि त्याग, इंसानियत, सेवा और कुर्बानी का सबसे बड़ा पैगाम है, जो समाज को जोड़ने और मोहब्बत बढ़ाने का काम करता है। डॉ. अनीस बेग ने अपने संदेश में कहा कि "ईद उल अजहा हमें यह सिखाती है कि इंसान अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर जरूरतमंदों और गरीबों की मदद करे। असली कुर्बानी वही है, जिसमें किसी भूखे के चेहरे पर मुस्कान आए, किसी यतीम को सहारा मिले और किसी बीमार को इलाज।" उन्होंने कहा कि बरेली की गंगा-जमुनी तहजीब पूरे प्रदेश में मिसाल है और सभी धर्मों के लोगों को मिल-जुलकर त्योहार मनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि नफरत, अफवाह और विवाद से दूर रहकर मोहब्बत और इंसानियत का संदेश फैलाएं।

"हर घर में रहे खुशहाली और अमन"-डॉ. अनीस बेग ने कहा कि वे अल्लाह से दुआ करते हैं कि ईद उल अजहा सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए। देश और प्रदेश तरक्की करे तथा समाज में भाईचारा कायम रहे। उन्होंने कहा कि कुर्बानी का त्योहार इंसान को त्याग और सब्र का रास्ता दिखाता है।

ईद उल अजहा पर बरेली बना हाई सिक्योरिटी ज़ोन

» SSP अनुराग आर्य के निर्देश पर जिलेभर में अभेद सुरक्षा घेरा, ड्रोन से निगरानी और सड़कों पर PAC की सख्त चौकसी

लोकतंत्र की शान

(बरेली उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा): ईद उल अजहा यानी बकरीद के पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए बरेली पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में दिखाई दे रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के नेतृत्व में जिले को सुरक्षा के अभेद कवच में तब्दील कर दिया गया है। शहर की सड़कों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पुलिस और पीएसी का सख्त पहरा बैठा दिया गया है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी गई है, जबकि ड्रोन कैमरे आसमान से हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। त्योहार से पहले ही पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि माहौल बिगाड़ने, अफवाह फैलाने या कानून व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की निगरानी के लिए साइबर सेल को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है, जहां हर पोस्ट और हर गतिविधि को लगातार मॉनिटर किया जा रहा है।

गली-गली पुलिस, चौराहों पर चौकसी- एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस की विशेष पेट्रोलिंग शुरू कर दी गई है। मस्जिदों, ईदगाहों, बाजारों और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस अधिकारी खुद फील्ड में उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। थाना प्रभारी और क्षेत्राधिकारी लगातार पैदल गश्त कर आम जनता से संवाद स्थापित कर रहे हैं ताकि त्योहार के दौरान भाईचारा और शांति बनी रहे।

रॉयल मेहंदी आर्टिस्ट के स्वामी हसीन बने गरीब बेटियों के सहारा

» मेहंदी कला सिखाकर दर्जनों लड़कियों को दिया रोजगार आत्मनिर्भर बन रही युवतियां

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद।उत्तर प्रदेश/रामपुर के रहने वाले रॉयल मेहंदी आर्टिस्ट के स्वामी हसीन भाई ने समाज के लिए एक बेहद सराहनीय और प्रेरणादायक कार्य किया है। उन्होंने गरीब और जरूरतमंद लड़कियों को सिर्फ मेहंदी लगाना ही नहीं सिखाया, बल्कि उन्हें नए-नए आधुनिक डिजाइनों की बारीकियां भी समझाईं। आज उन्हीं लड़कियों में से कई युवतियां अपने पैरों पर खड़ी होकर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और अपने हुनर से अच्छी कमाई कर रही हैं। हसीन भाई का कहना है कि बेटियों को हुनर देना सबसे बड़ा सहयोग है। उन्होंने लड़कियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का कार्य किया, जिससे आज ये युवतियां अपनी पढ़ाई का खर्च खुद निकाल रही हैं और परिवार का सहारा भी बन रही हैं। रॉयल मेहंदी आर्टिस्ट की दुकान पर कार्य कर रहीं लड़कियां अपने सुंदर और आकर्षक मेहंदी डिजाइनों से लोगों का दिल जीत रही हैं। हाथों और पैरों पर बनाई जा रही बारीक और खूबसूरत डिजाइनिंग को देखकर ग्राहक भी काफी प्रभावित नजर आते हैं। खासकर त्योहारों और शादी-विवाह के सीजन में इनकी कला की काफी सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हसीन भाई ने सिर्फ एक व्यापार नहीं किया, बल्कि समाज सेवा का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने गरीब बेटियों को हुनर देकर उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का रास्ता दिखाया है। आज कई लड़कियां उनके साथ जुड़कर अपना भविष्य संवार रही हैं और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। समाज में ऐसे लोगों की बेहद जरूरत है जो दूसरों को आगे बढ़ाने का कार्य करें। हसीन भाई का यह प्रयास न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि युवाओं के लिए एक मिसाल भी बनता जा रहा है।

हसनपुर में ईद उल अजहा की नमाज शांतिपूर्ण रूप से संपन्न, गंगा-जमुनी तहज़ीब की दिखी मिसाल

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को जनपद अमरोहा के हसनपुर नगर में ईद उल अजहा का पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर की सभी प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों में नमाजियों का हुजूम उमड़ पड़ा। तय समय पर ईद उल अजहा की विशेष नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई।हसनपुर की शाही ईदगाह में सुबह 6:30 बजे ईद की मुख्य नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद, नई बस्ती मस्जिद सहित सभी मस्जिदों में भी अलग-अलग समय पर नमाज हुई। नमाज से पहले इमामों ने खुतबा दिया और कुर्बानी के महत्व, त्याग, इंसानियत और आपसी मोहब्बत का पैगाम दिया। नमाज के बाद मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। एसडीएम हसनपुर, सीओ हसनपुर और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ सुबह से ही भ्रमण पर रहे। ईदगाह और सभी प्रमुख मस्जिदों के बाहर पर्याप्त पुलिस बल, पीएसी और महिला पुलिस की तैनाती की गई थी। ड्रोन कैमरों से भी संवेदनशील स्थानों की निगरानी की गई। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए रूट डायवर्जन भी लागू किया गया था, जिससे नमाजियों को किसी तरह की असुविधा न हो। नगर पालिका परिषद हसनपुर द्वारा ईद से एक दिन पहले सभी ईदगाहों और मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया गया। पानी के टैंकर, मोबाइल टॉयलेट और छाया के लिए टेंट की व्यवस्था की गई थी। बिजली विभाग ने भी नमाज के समय निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की।नमाज के बाद मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर हिंदू समाज के लोगों ने भी ईदगाह पहुंचकर अपने मुस्लिम भाइयों को ईद की बधाई दी और मिठाई बांटी। पालिका अध्यक्ष, व्यापार मंडल के पदाधिकारी और विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग भी बधाई देने पहुंचे। इससे हसनपुर में गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल देखने को मिली। प्रशासन और धर्मगुरुओं द्वारा पहले ही अपील की गई थी कि कुर्बानी तय स्थानों पर ही करें और अवशेषों को खुले में न डालें। इसका व्यापक असर देखने को मिला। लोगों ने पालिका द्वारा चिन्हित स्थानों पर ही कुर्बानी की और सफाई का विशेष ध्यान रखा। स्थानीय निवासी पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी चमन अंसारी ने बताया, "अल्लाह का शुक्र है कि सब कुछ बहुत अच्छे से निपट गया। प्रशासन का सहयोग सराहनीय रहा।" वहीं व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता ने कहा, "हसनपुर हमेशा से भाईचारे की मिसाल रहा है। आज फिर ये साबित हो गया।"कुल मिलाकर हसनपुर में ईद उल अजहा का पर्व पूरी अकीदत, एहतराम और आपसी सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। दिनभर घरों में मेहमानों का आना-जाना लगा रहा और सेवई, खीर व लजीज पकवानों का दौर चलता रहा।

तकनीक, संवेदनशीलता और प्रोफेशनल दक्षता से लैस रहे यूपी पुलिसः मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान प

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पुलिस प्रशिक्षण व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए कहा कि बदलते समय में पुलिसिंग केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं रह गई है। आधुनिक तकनीक, संवेदनशील व्यवहार, संवाद कौशल, साइबर अपराधों की समझ और फॉरेंसिक दक्षता प्रभावी पुलिसिंग की बुनियादी आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिस प्रशिक्षण व्यवस्था को पूरी तरह परिणामोन्मुख, व्यवहारिक, तकनीक आधारित और समयानुकूल बनाया जाए, ताकि उत्तर प्रदेश पुलिस दक्षता, अनुशासन, संवेदनशीलता और जनविश्वास के मानकों पर देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस बल के रूप में स्थापित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण व्यवस्था में गुणवत्ता, एकरूपता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। प्रशिक्षण संस्थानों में आधुनिक तकनीकों का अधिकतम उपयोग हो तथा प्रशिक्षण का नियमित मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को केवल कानून लागू करने तक सीमित न रखते हुए उन्हें संवाद कौशल, मानवीय व्यवहार और तनावपूर्ण परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय के अंतर्गत पुलिस अकादमी मुरादाबाद, 11 प्रशिक्षण संस्थान, 6 पुलिस ट्रेनिंग स्कूल, 2 आर्म्ड पुलिस ट्रेनिंग संस्थान तथा 62 अस्थायी एवं 31 स्थायी रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर संचालित हैं। 112 RTC पर एक साथ प्रशिक्षण प्रारंभ कर अंतिम परीक्षाओं को शुचितापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया गया तथा एक साथ परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। प्रशिक्षण क्षमता को 18 हजार से बढ़ाकर 60,244 तक किया गया है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का उच्चीकरण किया गया है तथा बाह्य विषयों में आवधिक मानक निर्धारित कर गुणवत्ता सुनिश्चित की गई है। यूपी पुलिस ट्रेनिंग पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षण सामग्री प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं को उपलब्ध कराई जा रही है और 5,000 विशेषज्ञ प्रशिक्षक तैयार किए गए हैं।

रामपुर ईद त्यौहार के दृष्टिगत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक, रामपुर ने नगर क्षेत्र में किया भ्रमण, शान्ति व्यवस्था का लिया जायजा

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर उत्तर प्रदेश/ जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी रामपुर पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना रामपुर द्वारा ईद त्यौहार के दृष्टिगत जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु नगर क्षेत्र रामपुर में भ्रमण कर शान्ति व्यवस्था ड्यूटी का निरीक्षण किया गया तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों द्वारा संवेदनशील स्थलों, प्रमुख बाजारों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही आमजन से आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ शान्तिपूर्वक त्यौहार मनाने की अपील की गई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर एवं क्षेत्राधिकारी नगर सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे

युवा राष्ट्रीय लोकदल की बैठक में चौधरी चरण सिंह की हसनपुर नगर में प्रतिमा लगाने का लिया गया निर्णय

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : बुधवार को नगर पालिका परिषद हसनपुर के सभागार में युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक कुमार बाफर द्वारा युवा राष्ट्रीय लोकदल की बैठक में जिला अध्यक्ष इरकान अली के कार्यों की समीक्षा की गई । युवा राष्ट्रीय लोकदल द्वारा 29 मई को पूर्व प्रधानमंत्री स्व.चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि ग्राम ढवारसी, हसनपुर तथा बछरायूं में जोर शोर से मनाने का निर्णय लिया गया। मुख्य अतिथि विवेक कुमार बाफर प्रदेश उपाध्यक्ष युवा रालोद ने जनपद अमरोहा में युवा राष्ट्रीय लोकदल के कार्यों की सराहना की । उन्होंने युवाओं से परिचय प्राप्त किया तथा उनसे संगठन और पार्टी को मजबूत करने हेतु सुझाव आमंत्रित किए। तथा पार्टी कार्यक्रमों को भिन्न भिन्न स्थानों पर आयोजित करके राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों का प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। जिला अध्यक्ष इरकान अली ने तन मन धन से पार्टी को मजबूत बनाने तथा पार्टी के निर्देश का पालन करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जनपद की प्रत्येक विधानसभा और प्रत्येक नगर में उनकी कमेटियां तथा जिला कार्यकारिणी कार्य कर रही है । समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय लोकदल रूहेलखंड के क्षेत्रीय महासचिव मुजाहिद चौधरी ने चौधरी जयंत सिंह को किसानों युवाओं महिलाओं सहित सभी वर्गों के कल्याण और विकास को प्रतिबद्ध नेता बताया । उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पूर्व मंत्री स्व.अजित सिंह की नीतियों और सिद्धांतों को लागू करने वाला नेता बताते हुए युवाओं से उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। बैठक में हसनपुर में किसी चौराहे पर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया गया । बैठक का संचालन इरकान अली जिलाध्यक्ष युवा रालोद अमरोहा ने किया। समीक्षा बैठक में बांके सिंह चौहान, गुफरान खान, शहजाद खान, अजीम अली, शारिक पधान, अरबाज खान, राजकुमार चौहान,मोहित सिंह, तस्लीम अहमद, बिपिन कुमार सहित दर्जनों युवा रालोद कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर सदर अस्पताल की व्यवस्था पर उठे सवाल, दिव्यांग संघ अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

लोकतंत्र की शानः हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर सदर अस्पताल में लगातार मिल रही लापरवाही और अव्यवस्था की शिकायतों के बाद दिव्यांग संघ के जिला अध्यक्ष पप्पू कुमार ने गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न वार्डों का दौरा कर भर्ती मरीजों से बातचीत की और स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पप्पू कुमार ने मरीजों से उनकी समस्याओं के बारे में खुलकर बताने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित अधिकारियों से बात कर समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। इस दौरान कई मरीजों ने अस्पताल की व्यवस्था को लेकर अपनी परेशानियां साझा कीं। मीडिया से बातचीत करते हुए दिव्यांग संघ के जिला अध्यक्ष ने हाजीपुर सदर अस्पताल की व्यवस्था पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अस्पताल में कई स्तर पर सुधार की आवश्यकता है। इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन से भी बातचीत की गई है, जिस पर प्रबंधक ने जल्द ही व्यवस्था बेहतर करने का आश्वासन दिया है। पप्पू कुमार ने जोर देकर कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलना उनका अधिकार है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से इस दिशा में गंभीरता से काम करने का आग्रह किया।

पानापुर में मिली सरकारी दवाएं और सर्जिकल सामग्री, वैशाली डीएम ने उच्चस्तरीय जांच के दिए आदेश

लोकतंत्र की शानः हाजीपुर। वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के पानापुर क्षेत्र में भारी मात्रा में सरकारी दवाएं और सर्जिकल सामग्री फेंके जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन हरकत में आ गया। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर महुआ अनुमंडल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पानापुर गांव के चंवर क्षेत्र में एक गड्ढे से बड़ी संख्या में सरकारी दवाएं, इंजेक्शन, सर्जिकल उपकरण और अन्य चिकित्सा सामग्री बरामद की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कई दवाओं की एक्सपायरी डेट अभी बाकी है। ये दवाएं वर्ष 2027, 2028 और 2029 तक उपयोग योग्य थीं। इससे सरकारी संसाधनों के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग या अनियमित निकासी की आशंका गहरा गई है। प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि बरामद कुछ दवाएं वैशाली जिले के लिए आवंटित नहीं लगती हैं। घटनास्थल से मिले एक बोरे पर "मुजफ्फरपुर" लिखा पाया गया है, जिससे यह संदेह है कि यह मामला किसी मेडिकल कॉलेज या बड़े स्वास्थ्य संस्थान की आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ा हो सकता है। मौके से यूरो बैग, मिडाजोलम, जोल्मिट्रिप्टन, पाइरिडोक्सिन सहित कई प्रकार की दवाएं और सर्जिकल सामग्री मिली हैं। सभी बरामद दवाओं के नमूने सुरक्षित कर लिए गए हैं और उनकी विस्तृत जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन ने इस मामले की सूचना पटना स्थित बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BMSICL) को भी देने की तैयारी की है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि ये दवाएं किस जिले, अस्पताल या संस्थान के लिए आवंटित की गई थीं और वे खुले मैदान में कैसे पहुंच गईं। डीएम वर्षा सिंह ने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग और लापरवाही को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जांच एजेंसियों को निष्पक्ष और गहन जांच करने का निर्देश दिया है, ताकि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस घटना ने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाखों रुपए की जीवनरक्षक दवाओं और चिकित्सा सामग्री को खुले में फेंकना न केवल सरकारी धन की बर्बादी है, बल्कि यह स्वास्थ्य व्यवस्था में संभावित भ्रष्टाचार और लापरवाही की भी बड़ी तस्वीर पेश करता है।

दूध लदी पिकअप दुर्घटनाग्रस्त, ड्राइवर की मौत, गाड़ी को काटकर निकाला शव, दूध सप्लाई करने जाते समय हादसा

लोकतंत्र की शानः मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कच्ची-पक्की ओपी क्षेत्र के दिघरा में आज सड़क हादसा हुआ। इसमें सुधा दूध लदी पिकअप गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि ड्राइवर का शव गाड़ी में बुरी तरह फंस गया, जिसे काफी मशक्कत के बाद गाड़ी को काटकर बाहर निकाला गया। दर्सल, आज सुबह करीब 6 बजे दूध सप्लाई के लिए जा रही पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान सकरा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर कंठ निवासी 25 साल के राजकुमार के रूप में हुई है। मृतक के मामा राजेंद्र राम ने बताया कि राजकुमार सुधा दूध सप्लाई गाड़ी पर चालक के रूप में काम करता था और रोज की तरह गुरुवार सुबह भी दूध लेकर निकला था। इसी दौरान हादसा हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत काम शुरू किया गया। गाड़ी में शव फंसा होने के कारण काफी देर तक रेस्क्यू चलाया गया। बाद में गाड़ी के हिस्से को काटकर ड्राइवर के शव को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं दुर्घटना किन कारणों से हुई, इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

माड़ीपुर-दादर पुल पर भारी वाहनों की एंट्री होगी बंद, शहर पर बढ़ेगा ट्रैफिक लोड, टेक्निकल टीम ने लिया जायजा

लोकतंत्र की शानः मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर शहर के जर्जर और क्षतिग्रस्त पुलों को लेकर जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। डीएम ने माड़ीपुर ओवरब्रिज, दादर पुल पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाई जाएगी। इनमें ट्रक, बड़े मालवाहक वाहन और बसें भी शामिल है। पथ निर्माण विभाग से अनुमति मिलने के बाद यह आदेश जारी किया गया है। बुधवार को टेक्निकल टीम ने दोनों पुलों का जायजा लिया। दादर पुल के निचले हिस्से में साफ-सफाई के बाद टीम पुल के कमजोर हिस्सो की जांच में जुटी रही। जांच के बाद रिपोर्ट के आधार पर मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। सबसे ज्यादा असर माड़ीपुर ओवरब्रिज पर दिखेगा। यहां बसों के परिचालन पर रोक लगने से इसका सीधा दबाव ब्रह्मपुरा, जूरन छपरा और शहर के अंदरूनी हिस्सों की सड़कों पर पड़ेगा। पहले से जाम झेल रहे इलाकों में ट्रैफिक लोड और बढ़ने की आशंका है। इसी तरह की स्थिति दादर पुल पर भारी वाहन का परिचालन रोकने का होगा। पुल के जर्जर होने की स्थिति में सुरक्षा को लेकर यह फैसला प्रशासन को लेना पड़ा है। प्रशासन ने जिन पुलों पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाई है, उनमें माड़ीपुर ओवरब्रिज, चांदनी चौक-बखरी पथ स्थित दादर पुल, देवरिया-बरूराज पथ का पुल और देवरिया-जाफरपुर-अम्बारा पथ का पुल शामिल है। विभागीय रिपोर्ट में इन पुलों की स्थिति को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंता जताई गई थी। इसके बाद एहतियातन यह निर्णय लिया गया। यातायात विभाग को अब भारी वाहनों और बसों के लिए वैकल्पिक रूट तय करने होंगे। साथ ही प्रभावित इलाकों में अतिरिक्त ट्रैफिक व्यवस्था करनी पड़ेगी, ताकि शहर में जाम की स्थिति और खराब न हो। बसों और ट्रकों के लिए वैकल्पिक रूट तय होने के बाद दूसरे इलाकों में दबाव बढ़ेगा। खासकर ब्रह्मपुरा, जूरन छपरा और बैरिया इलाके में ट्रैफिक व्यवस्था चुनौती बन सकती है। डीएम के आदेश के बाद दादर पुल के दोनों तरफ बैरियर लगाने का काम शुरू कर दिया गया। पुल निर्माण निगम ने दादर पुल के निचले हिस्से में साफ-सफाई कराई, ताकि पुल की वास्तविक स्थिति और डैमेज का सही आकलन किया जा सके। इधर, माड़ीपुर ओवर ब्रिज का भी टीम ने जायजा लिया। हालांकि, दोनों पुल पर अभी भारी वाहनों का परिचालन जारी है। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के वरीय परियोजना निदेशक आलोक कुमार के नेतृत्व में टेक्निकल बुधवार दोपहर दादर पुल पहुंची। टीम ने पुल के ऊपर और नीचे जाकर जॉइंट, स्लैब और अन्य स्ट्रक्चर का निरीक्षण किया। पुल निर्माण निगम के अधिकारियों ने बताया कि निजी एजेंसी से साफ-सफाई कराने के बाद टेक्निकल विंग को यह जिम्मेदारी दी गई है। वह तत्काल यह रिपोर्ट दे कि पुल में कौन-कौन से हिस्सों में तत्काल मेंटेनेंस की जरूरत है।

सहयोग शिविर से संबंधित आवेदनों के त्वरित निष्पादन का डीएम ने दिया निर्देश

लोकतंत्र की शानः मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार ने गुरुवार को गूगल मीट के माध्यम से प्रखंडवार आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों एवं प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। यह सहयोग शिविर आगामी 02 जून 2026 को आयोजित किया जाना है। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अब तक प्राप्त सभी आवेदनों के शत-प्रतिशत निष्पादन को अविलंब पूर्ण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि लंबित मामलों का निपटारा एक से दो दिनों के भीतर हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। बैठक में पाया गया कि सहयोग शिविर से संबंधित कई आवेदन विभिन्न विभागों—सहकारिता, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, ऊर्जा, निर्वाचन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, वित्त, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, सामान्य प्रशासन, स्वास्थ्य, विधि, पंचायती राज, योजना एवं श्रम संसाधन विभाग—के स्तर पर लंबित हैं। इसके अतिरिक्त राजस्व से जुड़े कुछ मामले भी विभिन्न अंचलों में लंबित पाए गए। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान लंबित न्यायिक वादों के शीघ्र निष्पादन पर भी विशेष जोर दिया और संबंधित पदाधिकारियों को तत्परता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर समाहर्ता (वि० जांच) श्री गणेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार के 6 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, तापमान 4 डिग्री तक गिरेगा

लोकतंत्र की शानः पटना

पटना समेत बिहार के कई जिले भीषण गर्मी की चपेट में हैं। हालात ऐसे हैं कि दिन के साथ-साथ रात में लोग गर्मी से परेशान हैं। 42.6 डिग्री के साथ कैमूर सबसे गर्म जिला रहा। जबकि औरंगाबाद का तापमान 40.6 डिग्री रहा। भीषण गर्मी से जूझ रहे पटना समेत प्रदेश के लोगों को जल्द ही बड़ी राहत मिलेगी। इसके साथ ही 60kmph की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। विभाग के मुताबिक, 29 मई को पटना, नालंदा, वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर और गया समेत कई जिलों में तेज बारिश के आसार बन रहे हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। इसमें कटिहार के प्राणपुर में सर्वाधिक 62.4 मिमी, मधेपुरा के पुरैनी में 56 मिमी और मधुबनी के झंझारपुर में 51.6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

अगले एक हफ्ते तक कैसा रहेगा मौसमः मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बिहार में अगले सात दिनों तक तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। बीच-बीच में बारिश और बादल छाए रहने से लू और तेज गर्मी से राहत मिलेगी। कई जिलों में दोपहर और शाम के समय गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। हालांकि कुछ इलाकों में उमस बनी रह सकती है, लेकिन भीषण गर्मी जैसी स्थिति नहीं रहेगी।

बिहार में मानसून और प्री-मानसून की एंट्री कबः मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बिहार में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो रही है। अगले महीने यानी जून के पहले और दूसरे सप्ताह में प्री-मानसून बारिश शुरू हो सकती है। वहीं दक्षिण-पश्चिम मानसून के बिहार में 12 जून से 18 जून के बीच प्रवेश करने की संभावना है।

गैस पाइप लाइन कटने से सब्जी मंडी में लगी आग

लोकतंत्र की शानः पटना

पटना के दीघा सब्जी मंडी में देर रात आग लग गई। गैस पाइप लाइन कटने की वजह से आग फैल गई। कहीं, ब्लास्ट ना हो जाए इस डर से स्थानीय लोग बुझाने भी नहीं जा रहे थे। इसी बीच डायल 101 पर कॉल कर के लोगों ने अग्निशमन को खबर की। देर रात लोदीपुर अग्निशमन अनुमंडल पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचें और तकरीबन 30 मिनट के बाद सप्लाई बंद होने पर आग पर काबू पाया जा सका।

अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार ने बताया कि पास में बिजली का काम चल रहा था। इसी दौरान गेल इंडिया लिमिटेड के पाइप लाइन में कट लग गया। रिसाव के बाद आग लग गई। फिलहाल काबू पा लिया गया है। किसी की हताहत होने की खबर

नहीं है। मौके पर 5 दमकल की गाड़ी पहुंची थी और तकरीबन 30 मिनट का समय लग गया।

गैस पाइप लाइन के पास काम नहीं करने की अपीलः फिलहाल सप्लाई ठप है। वहीं, आस पास के लोगों को अग्निशमन की ओर से हिदायत भी दी गई है। लोगों से कहा गया है कि अगर काम हो रहा है तो गैस पाइप लाइन के पास नहीं करें। इससे दूरी बनाकर निजी काम करें। इसके अलावा किसी तरह के रिसाव हो रहे हैं तो गेल इंडिया लिमिटेड और अग्निशमन को खबर करें। आग जिस जगह पर लगी थी। वह रिहायशी इलाका है। आस पास दर्जनों बिल्डिंग हैं।

पंजाब में बिहार की 9 साल की बच्ची से रेप

लोकतंत्र की शानः पटना

बिहार की 9 साल की बच्ची के साथ पंजाब के मोगा में रेप की घटना को अंजाम दिया गया। 40 साल के शख्स ने वारदात किया है। बच्ची चिल्लाने लगी और मां को बताने की बात कहने लगी, तो पकड़े जाने के डर से आरोपी ने उसे कमरे के पंखे से फंदे पर लटका दिया। आरोपी का नाम दयानंद है और वह झारखंड का रहने वाला है। वारदात को अंजाम देकर वह उसी शाम ट्रेन पकड़कर झारखंड भागने की तैयारी में था। यहीं नहीं वारदात के बाद उसने अपना फोन भी बंद कर दिया था। लेकिन मोगा पुलिस ने उसे बुगीपुरा चौक के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी पर रेप, हत्या और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

सूना कमरा देखकर दरिंदे ने बनाया निशानाः घटना 25 मई की है। गर्मी के कारण दोपहर के समय गली में सन्नाटा था। 9 साल की बच्ची अपने किराए के कमरे में अकेली बैठी

हुई थी और मोबाइल फोन देख रही थी। इसी दौरान उसकी बड़ी बहन अपनी मां के पास मोबाइल फोन लेने के लिए कमरे से बाहर चली गई। आरोपी दयानंद, जो मोगा में मजदूरी करता था, काफी समय से इसी इलाके में रह रहा था।

हवस का शिकार बनाने की कोशिश और बच्ची का शोरः पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी अकसर बच्चियों को लेकर गंदी नीयत रखता था। उस दिन जैसे ही उसे मौका मिला तो उसने बच्ची को दबोच लिया और उसके साथ जबरदस्ती करने लगा। इस अचानक हुए हमले से बच्ची घबरा गई और उसने खुद को बचाने के लिए शोर मचाना शुरू किया। इस पर आरोपी के हाथ-पांव फूल गए। उसे डर सताने लगा कि अगर किसी ने आवाज सुन ली तो वह पकड़ा जाएगा।

राज खुलने के डर से पंखे से लटकायाः आरोपी ने पुलिस पूछताछ में कहा कि जब बच्ची ने चिल्लाकर अपनी मां को बुलाने और उसका नाम उजागर करने की बात कही, तो उसने पहले बच्ची का गला घोंटने की कोशिश की और फिर कमरे में लगे पंखे से फंदा बांधकर उस पर लटका दिया। उसने ऐसा इसलिए किया ताकि सबको यह लगे कि बच्ची ने खुदकुशी की है और उसका नाम कभी सामने न आ पाए। वह यह सोच रहा था कि बच्ची मर जाएगी तो राज हमेशा के लिए दफन हो जाएगा।

बड़ी बहन जब वापस लौटी तो उड़ गए होशः कुछ ही देर बाद जब बच्ची की बड़ी बहन अपनी मां से मोबाइल लेकर वापस किराए के कमरे पर पहुंची, तो उसने देखा कि उसकी छोटी बहन फंदे से लटक रही थी। यह देखकर वह जोर-जोर से चीखने-चिल्लाने लगी। उसकी चीखें सुनकर आसपास के घरों में रहने वाले लोग और पड़ोस की एक इमारत में काम कर रहे मजदूर तुरंत मौके पर पहुंचे।

फंदे से उतारा तो चल रही थीं सांसेंः जब पड़ोसी और मजदूर कमरे के अंदर पहुंचे, तो उन्होंने तुरंत बच्ची को फंदे से नीचे उतारा। जब बच्ची को नीचे उतारा गया, तब उसकी सांसें चल रही थीं। लोग उसे गोद में उठाकर मोगा के सरकारी अस्पताल की तरफ भागे। अस्पताल पहुंचने से ठीक पहले उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

माहवारी स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, छात्राओं को दी गई स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी

लोकतंत्र की शानः मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः सहरसा जिले के अन्य पिछड़ा वर्ग +2 आवासीय कन्या उच्च विद्यालय, मेनहा में आज विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम, सहरसा द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत साफ-सफाई के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरुआत जिला मिशन समन्वयक द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए जिला परियोजना प्रबंधक को अवगत कराने से हुई। इसके बाद छात्राओं को माहवारी स्वच्छता दिवस के महत्व, माहवारी के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों एवं आवश्यक स्वच्छता उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर माहवारी स्वच्छता से संबंधित एक प्रेरणादायक जागरूकता फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया, जिसे छात्राओं ने उत्साहपूर्वक देखा। कार्यक्रम के दौरान जिला परियोजना प्रबंधक ने छात्राओं को माहवारी के समय स्वच्छता बनाए रखने, सेनेटरी उत्पादों के सुरक्षित उपयोग एवं उनके उचित निपटान की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बालिकाओं को माहवारी से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों से दूर रहने तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का संतोषजनक एवं सरल भाषा में उत्तर दिया गया, जिससे उनमें जागरूकता और आत्मविश्वास का विकास हुआ। कार्यक्रम के अंत में बालिकाओं

एवं शिक्षिकाओं के बीच MHM (Menstrual Hygiene Management) किट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में DHEW एवं OSC के सभी कर्मी, महिला एवं बाल विकास निगम के जिला परियोजना प्रबंधक, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी, विद्यालय के प्रभारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। उपस्थित छात्राओं ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया

मल्टी मॉडल हब में गेट संख्या-2 से ही निकलेंगी बसें

लोकतंत्र की शान

पटनाः पटना जंक्शन स्थित मल्टी मॉडल हब में निजी बस पार्किंग के लिए एक अलग स्थान चिन्हित किए जाएंगे। सभी सरकारी और निजी बस एग्जिट गेट संख्या-2 से ही निकलेंगे। ये अनिवार्य किया गया है। वहीं, बसों को एग्जिट गेट के 12 मीटर पहले पार्क करना होगा। मल्टी मॉडल हब से निकलने के बाद जीपीओ तक कोई भी बस नहीं रुकेगी। अगर किसी भी बस को अनावश्यक रूप से पार्क किया जाएगा और प्रवेश द्वार के समीप खड़ा किया जाएगा, तो उस स्थिति में कार्रवाई की जाएगी। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक यशपाल मीणा ने ये आदेश जारी किया है।

बसों में प्रेशर हॉर्न की जांच की जाएगीः इसके साथ ही सभी बसों में प्रेशर हॉर्न की जांच की

जाएगी। किसी भी तरह की गडबड़ी पर मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार दंड दिया जाएगा। यात्री आवागमन को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रवेश द्वार पर ट्रैफिक पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

मल्टी मॉडल हब प्रशासन, बस स्वामियों का बनेगा कॉमन व्हाट्सएप ग्रुपः सभी निजी बस स्वामियों को अपने आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और संबंधित वाहनों के पंजीयन एवं परमिट दस्तावेजों का सत्यापन एक सप्ताह के अंदर पूरा कराने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए अधिकृत नोडल अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पटना नगर निगम 12 नए टैंकर किराए पर लेगा

लोकतंत्र की शानः पटना

पटना में तेज धूप और गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। ऐसी स्थिति में पटना नगर निगम ने पेयजल व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्णय लिया है। अब 7 हजार लीटर वाले वाटर टैंकर लोगों की प्यास बुझाएंगे। शहर में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी 186 पंप हाउसों के संचालन की रेगुलर जांच करने के निर्देश हैं। पटना नगर निगम के पास वर्तमान में करीब 120 किलोमीटर लंबा पाइपलाइन नेटवर्क मौजूद है। पटना नगर निगम के पास वर्तमान में 3600 लीटर क्षमता के कुल 13 वाटर टैंकर संचालित हैं। पेयजल मांग को देखते हुए नगर आयुक्त ने अतिरिक्त टैंकर किराए पर लेकर इनकी संख्या बढ़ाकर 25 करने का निर्देश दिया है। साथ ही भीड़-भाड़

वाले और अधिक आवश्यकता वाले क्षेत्रों में टैंकर तैनात करने को कहा गया है। नगर आयुक्त ने वाटर टैंकरों की नियमित सफाई, प्रतिदिन ताजा पानी भरने और पानी को दूषित होने से बचाने के लिए सभी टैंकरों के ढक्कनों को लॉक रखने के निर्देश भी दिए हैं। 3 से 4 टैंकर रिजर्व हैं, जिन्हें गांधी मैदान, शहर के बड़े आयोजनों, परीक्षा केंद्रों और किसी क्षेत्र में बोरिंग खराब होने की स्थिति में आवश्यकतानुसार भेजा जाता है।

पीएमसीएच में इलाज से पहले लगाने पड़ते चक्कर

लोकतंत्र की शानः पटना

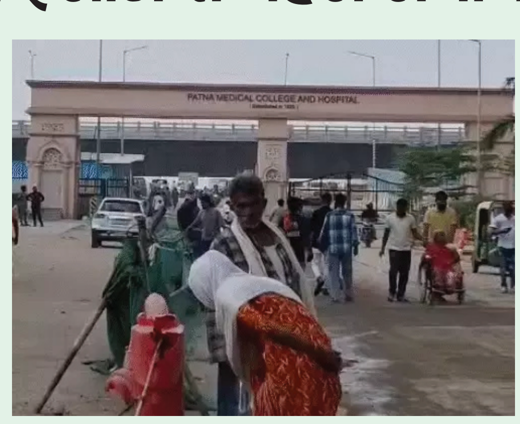

बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीएमसीएच में मरीजों को इलाज से पहले लंबी मशक्कत करनी पड़ रही है। रजिस्ट्रेशन, जांच और दवा लेने के लिए उन्हें अस्पताल परिसर में कई भवनों और मंजिलों के बीच बार-बार आना-जाना पड़ता है। भीषण गर्मी में यह समस्या मरीजों की परेशानी और बढ़ा रही है। इस व्यवस्था से बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगों और गंभीर मरीजों को विशेष परेशानी हो रही है। मरीजों और उनके परिजनों के अनुसार, डॉक्टरों से इलाज मिलने में बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन अस्पताल की अव्यवस्थित प्रणाली के कारण पूरा दिन परिसर में भटकते हुए निकल जाता है, जिससे इलाज कराना मुश्किल हो जाता है। पीएमसीएच पहुंचने वाले मरीजों की मुश्किलें अस्पताल के प्रवेश द्वार से ही शुरू हो जाती हैं। निजी वाहन से आने वाले अधिकांश मरीजों को अपनी गाड़ियां अस्पताल परिसर से बाहर ही खड़ी करनी पड़ती हैं।

जांच करानी हो तो और भी परेशानी होती हैः उदाहरण के लिए, जेपी गंगा पथ की ओर से आने वाले मरीजों को पुल के पास वाहन पार्क करने के बाद राजेंद्र सर्जिकल वार्ड स्थित रजिस्ट्रेशन काउंटर तक पहुंचने के लिए लगभग आधा किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। तेज धूप और उमस में यह दूरी मरीजों के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाती है। रजिस्ट्रेशन के बाद मरीजों को मुख्य अस्पताल भवन स्थित ओपीडी तक जाना होता है। यहां डॉक्टर को दिखाने के लिए उन्हें लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई मरीजों ने बताया कि सुबह से लाइन में लगने के बावजूद नंबर आने में काफी समय लग जाता है। यदि डॉक्टर एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड या अन्य रेडियोलॉजी जांच लिखते हैं, तो मरीजों को अस्पताल परिसर की दूसरी छोर पर स्थित रेडियोलॉजी विभाग जाना पड़ता है। मरीजों के मुताबिक, ओपीडी से रेडियोलॉजी विभाग तक पहुंचने में भी लगभग आधा किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है।

कई बार लिफ्ट बंद होती, सीढ़ियों से जाना होताः यदि ब्लड जांच लिखी गई हो तो मरीजों को फिर सीयूबी भवन जाना पड़ता है। यहां जांच की सुविधा छठी मंजिल पर है। लिफ्ट में अधिक भीड़ और कई बार लिफ्ट बंद रहने के कारण मरीजों को सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह परेशानी का सबब बन जाता है। डॉक्टर से परामर्श और जांच रिपोर्ट दिखाने के बाद मरीजों को मुफ्त दवा लेने के लिए मुख्य अस्पताल भवन के पांचवें तल्ले तक जाना पड़ता है। इलाज से ज्यादा थका रही अस्पताल की व्यवस्था मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि इलाज की प्रक्रिया से ज्यादा थकाने वाला अस्पताल का एक भवन से दूसरे भवन तक का सफर है।

संक्षिप्त समाचार

महिला की पीट-पीटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

परिजनों ने किया सेमरिया हनुमानगढ़ रोड में चक्का जाम

लोकतंत्र की शानः (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)ः सीधी। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोंडी में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। गांव की 55 वर्षीय राजवंती जायसवाल की कथित रूप से बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और परिजनों सहित ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। जानकारी के अनुसार गांव के ही रामसजीवन विश्वकर्मा उर्फ कदे का किसी बात को लेकर राजवंती जायसवाल से विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान रामसजीवन विश्वकर्मा ने महिला के साथ जमकर मारपीट की। वहीं मृतिका के परिजनों का आरोप है कि आरोपी की पत्नी सुशीला विश्वकर्मा ने राजवंती को पकड़ रखा था, जिससे वह खुद को बचा नहीं सकीं। गंभीर चोट लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सेमरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी रामसजीवन विश्वकर्मा उर्फ कदे को गिरफ्तार कर लिया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने सेमरिया-हनुमानगढ़ मार्ग पर चक्का जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान सडक़ के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात घंटों तक प्रभावित रहा। प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग थी कि मामले में शामिल महिला आरोपी को भी तत्काल गिरफ्तार किया जाए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रामसजीवन विश्वकर्मा उर्फ कदे पहले भी अपने भाई की हत्या के मामले में जेल जा चुका है और जेल से बाहर आने के बाद उसने एक बार फिर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और तनाव का माहौल बना हुआ है।

पुरानी रंजिश की वजह से की गई हत्याः केदार- इस संबंध में थाना प्रभारी सेमरिया केदार परौहा ने बताया कि फिलहाल यह माना जा रहा है कि पुरानी रंजिश के कारण हत्या की गई है। आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया है। वहीं आंदोलनकारियों को भी समझाइस दी गई है कि पूरे मामले की विधिवत जांच होगी इसमें और जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। थाना प्रभारी के आश्वास के बाद चक्काजाम आंदोलन समाप्त हुआ।

मेड़ता रोड में अक़ीदत व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईदुल अजहा का पर्व

लोकतंत्र की शानः एजाज़ अहमद उस्मानी। मेड़ता रोडः मेड़ता रोड कस्बे में ईदुल अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार को पूरे धार्मिक उत्साह, अक़ीदत और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोग नए परिधानों में सज-धजकर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित ईदगाह पहुंचे, जहां सुबह साढ़े सात बजे ईदुल अजहा की मुख्य नमाज़ अदा की गई। नमाज़ के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अल्लाह की बारगाह में सज्दा किया और देश-दुनिया में अमन, शांति, खुशहाली एवं भाईचारे की दुआएं मांगी। ईदगाह में आयोजित मुख्य नमाज़ कस्बे की शाही जामा मस्जिद के इमाम मौलाना दायम रज़ा क़ादरी ने अदा करवाई। नमाज़ से पूर्व अपने बयान में उन्होंने ईदुल अजहा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम और हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की कुर्बानी के वाकये का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ईदुल अजहा त्याग, समर्पण, आज्ञाकारिता और इंसानियत की सेवा का संदेश देने वाला पर्व है। मौलाना क़ादरी ने नमाज़ और कुर्बानी से जुड़े मसाइल एवं शरीयत के अहकाम पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुर्बानी के दौरान स्वच्छता, सामाजिक सौहार्द और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखें। साथ ही जरूरतमंदों, गरीबों और बेसहारा लोगों की मदद करने तथा कुर्बानी के गोश्त में उनका भी हिस्सा सुनिश्चित करने की सीख दी। नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे को ईदुल अजहा की मुबारकबाद दी और गले मिलकर खुशियां साझा कीं। इसके बाद घरों एवं निर्धारित स्थानों पर कुर्बानी का सिलसिला शुरू हुआ। पूरे दिन कस्बे में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल बना रहा। ईदगाह और आसपास के क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासन की ओर से भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। पर्व के दौरान सभी समुदायों के लोगों ने आपसी भाईचारे, सौहार्द और सद्भाव का परिचय दिया। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, युवा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। नमाज़ के समापन पर देश की तरक्की, प्रदेश की खुशहाली तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और शांति कायम रहने की विशेष दुआ की गई।

विजय संकल्प के साथ कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

विरासत, लोकतंत्र, संविधान की रक्षा, वर्तमान राजनैतिक चुनौतियों पर हुआ मंथन

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी सीधी और सिंगरौली के संयुक्त तत्वाधान में सीधी जिले के कुबरी स्थित प्रेमशीला मैरिज गार्डन में आयोजित कांग्रेस के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने एवं विजय संकल्प के साथ हुआ। समापन अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव हरीश चौधरी, मध्य प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी राष्ट्रीय सचिव रणविजय लोचव, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल तथा कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने अपनी सहभागिता की। द्वितीय दिवस का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वज के ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। सेवादल के सदस्यों ने तिरंगे को सलामी दी। इसके पश्चात महापुरुषों के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। प्रशिक्षण सत्र के समापन अवसर पर मध्य प्रदेश के प्रभारी हरीश चौधरी, सह प्रभारी रणविजय सिंह, प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी को शाल श्रीफल एवं विंध्य की पहचान सुपारी से निर्मित गणेश जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी ने प्रशिक्षण शिविर के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने मंडलम अध्यक्ष पद की महत्ता बताते हुए कहा कि यह केवल पद नहीं बल्कि संगठन और जनता के बीच मजबूत सेतु की भूमिका है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने विंध्य क्षेत्र के समक्ष वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए विजय संकल्प को पूर्ण करने के लिए संगठित होकर कार्य करना होगा। द्वितीय दिवस के अंतिम सत्र में मध्य प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी रणविजय सिंह ने ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से प्रशिक्षार्थियों से संवाद किया। उन्होंने दोनों दिवस के सभी सत्रों में बताई गई बातों को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा की। राष्ट्रगान के पश्चात कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने एवं विजय संकल्प के साथ प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। प्रशिक्षण शिविर में सीधी एवं सिंगरौली जिले के समस्त जिला प्रभारी, विधानसभा प्रभारी, जिला एवं ग्रामीण अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष तथा मंडलम अध्यक्ष उपस्थित रहे।

रीता त्रिपाठी को मिली चुरहट थाने की कमान

» नवागत टीआई ने संभाला पदभार

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। हाल ही में गृह पुलिस विभाग मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश के कई जिलों के उप निरीक्षको का थोक में स्थानांतरण किया गया था, जिसमें चुरहट प्रभारी रहे दीपक बघेला को मंडला स्थानांतरित कर दिया गया था। उसी रिक्त स्थान पर पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने महिला थाना प्रभारी रही श्रीमती रीता त्रिपाठी को चुरहट थाने की कमान सौंपी है। श्रीमती त्रिपाठी ने बुधवार को चुरहट थाना पहुंच कर पदभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान नवागत टीआई श्रीमती रीता त्रिपाठी ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता अपराध पर नियंत्रण हैं जिसके लिए हर संभव प्रयास करूंगी, इसके साथ अवैध नशे के विरुद्ध विशेष कार्रवाई, अवैध गतिविधियों को रोकना एवं महिलाओं से सम्बन्धित मामलों को लेकर प्राथमिकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि नगर की ट्रैफिक व्यवस्था में भी सुधार करना है। उन्होंने कहा कि दबे कुचले हुए लोगों की सहायता करना सभी को पुलिस की तरफ से कोई शिकायत न मिले, अपराध होने पर तत्काल कार्यवाही करना, पुलिस व आम जनता के साथ मिलकर काम करना यह मेरी प्राथमिकता है। मैने अपने सेवाकाल में हमेशा बेहतर कानून व्यवस्था को प्राथमिकता दी हैं और उसी को आगे बढ़ाते हुए निरंतर आगे बढ़ती रहूंगी।

श्रीमद्भागवत कथा में संत गोवर्धनदास बोले— अहंकार त्यागकर ईश्वर के प्रति करें पूर्ण समर्पण

लोकतंत्र की शानः एजाज़ अहमद उस्मानी

मेड़ता रोडः मेड़तारोड रामद्वारा के संत गोवर्धनदास रामस्नेही ने वृंदावन में आयोजित कथा के पांचवें दिन वाचन करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को अहंकार त्यागने तथा प्रकृति और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य अपने भीतर से अहंकार को समाप्त कर प्रभु की शरण स्वीकार करता है, तभी उसके जीवन में सच्चे सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया गया। संत गोवर्धनदास ने कान्हा की माखन चोरी, बाल हठ, ग्वाल-बालों के साथ उनकी नटखट लीलाओं तथा गोपियों के साथ मधुर संवादों के प्रसंगों का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के प्रसंग सुनकर भाव-विभोर हो उठे। इस अवसर पर चित्रकूट के संत श्री राम मनोहरदास महाराज ने कहा कि संत समाज सदैव परोपकार और जनकल्याण की भावना से कार्य करता है। संतों द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने और धार्मिक कथाओं का नियमित श्रवण करने से मनुष्य का कल्याण होता है तथा जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। वहीं रामसेवा आश्रम के संत नवलाराम महाराज ने राम नाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि राम नाम का सच्चे मन से स्मरण करने वाला व्यक्ति जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि राम नाम का जप मनुष्य के जीवन को सफल, सार्थक और मंगलमय बनाता है। कथा में स्वरूपनाथ महाराज मांझवास, सर्वेश्वर राम नागौर, आत्माराम सिणोद, सुखीबाई नागौर, राधाबाई भादला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा का श्रवण किया और संतों के आशीर्वचन प्राप्त किए। कथा स्थल पर पूरे समय भक्तिमय वातावरण बना रहा।

पोस्ता पंचायत के भ्रष्टाचार को लेकर ग्रामीण लामबंद

कार्रवाई नहीं हुई तो दे रहे आंदोलन की चेतावनी

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत पोस्ता में अनियमितताओं का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीण भी पंचायत के भ्रष्टाचार को लेकर विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार हो गए हैं, कहा जा रहा है कि अगर समय रहते इस ओर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्यवाही नहीं की गई तो आंदोलन प्रदर्शन भी किया जा सकता है। उल्लेखनीय हैं कि ग्राम पंचायत की उप सरपंच द्वारा पंचायत में हुए कथित भ्रष्टाचार एवं फर्जी निर्माण कार्यों की शिकायत जिला पंचायत सहित संबंधित अधिकारियों से की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नाली, पुलिया, सार्वजनिक शौचालय , चबूतरा एवं अन्य निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता की गई है। शिकायत के आधार पर जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी ग्राम पंचायत पोस्ता पहुंचे और मौके पर निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन किया। जांच के दौरान कई कार्य मौके पर नहीं मिले, वही ग्राम पंचायत में टीवी और समर्सिबल मोटर, कुर्सी टेबल भी मौके पर मौजूद नहीं थी जिससे शिकायत में लगाए गए आरोपों को बल मिला है। जांच में पंचायत के रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति में अंतर सामने आने की बात भी कही जा रही है। शिकायतकर्ता उप सरपंच का कहना है कि पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर शासन की राशि का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीणों के साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मामले को लेकर ग्राम पंचायत पोस्ता के ग्रामीणों में भी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि पंचायत में हुए कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं प्रशासन द्वारा जांच प्रतिवेदन तैयार कर आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

बीजेपी के झंडे में भरकर ऑफिस के बाहर फेंका कचरा

» राम टावर के व्यापारियों में रोष

» सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मचा हड़कंप

» नगर पालिका ने ठेका कर्मी को किया बर्खास्त

लोकतंत्र की शानः एजाज़ अहमद उस्मानी

नागौर/मेड़ता रोड : नागौर जिले के डेगाना शहर में राम टावर स्थित मातेश्वरी फाइनेंस एंड इंश्योरेंस कार्यालय के बाहर कचरा फेंकने की घटना को लेकर गुरुवार को व्यापारियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। घटना का खुलासा सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद हुआ, जिसके बाद पूरे बाजार में इस मामले की चर्चा रही। कार्यालय संचालक अभय राज सिंह राठौड़ ने बताया कि गुरुवार सुबह कार्यालय पहुंचने से पहले उन्हें आसपास के दुकानदारों ने फोन कर सूचना दी कि उनके ऑफिस के सामने सड़क का कचरा डाल दिया गया है। सूचना मिलने पर जब वे मौके पर पहुंचे और कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी तो एक महिला सफाई कर्मी सड़क से कचरा उठाकर बीजेपी के झंडे में भरते हुए कार्यालय के सामने फेंकती नजर आई। घटना की जानकारी मिलते ही राम टावर क्षेत्र के व्यापारियों में रोष फैल गया। व्यापारियों ने इसे गैर-जिम्मेदाराना और आपत्तिजनक कृत्य बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मामले की शिकायत तत्काल नगर पालिका प्रशासन को दी गई। जानकारी के अनुसार संबंधित महिला सालासर डेवलपर्स की ठेका कर्मी मंजू, निवासी ईडवा गांव बताई जा रही है। मामले की जांच के बाद नगर पालिका प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए संबंधित कर्मी को सेवा से बर्खास्त कर दिया। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) ने बताया कि घटना गंभीर प्रकृति की है तथा प्रथम दृष्टया कर्मचारी की गलती सामने आने पर उसे तत्काल प्रभाव से कार्य से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था के दौरान इस प्रकार की लापरवाही और अनुचित व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। घटना के बाद राम टावर के व्यापारियों ने कहा कि सफाई व्यवस्था का उद्देश्य शहर को स्वच्छ रखना है, लेकिन यदि सफाई कर्मी ही प्रतिष्ठानों के सामने कचरा डालने जैसी हरकत करें तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। व्यापारियों का यह भी कहना था कि कई बार सफाई कर्मियों द्वारा गंदगी फैलाने की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन इस बार सीसीटीवी फुटेज के कारण पूरा मामला उजागर हो गया। मौके पर अभय राज सिंह राठौड़, सतीश कुमार, गोविंद मारोठिया, तेजाराम पलिया, राहुल चौधरी, पूनाराम कमेडिया, राजूराम चौधरी, सुखवीर साहू, गौतम सेन, रिछपाल नेहरा, हनुमान राम, प्रकाश भारती, कमल जिलोवा, आजाद खान, विजय सेन तथा भगवत सिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। सभी ने नगर पालिका से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी निगरानी व्यवस्था लागू करने की मांग की। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं, घटना के बाद दिनभर बाजार में इस विषय को लेकर चर्चा का माहौल बना रहा।

पंजाब में बकरीद का पर्व धूमधाम से मनाया

लोकतंत्र की शान

चंडीगढ़। पंजाब के विभिन्न शहरों में गुरुवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व मनाया गया। मलेरकोटला, संगरूर, मोहाली, जालंधर, लुधियाना आदि शहरों में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने भाग लिया।लुधियाना की मुख्य जामा मस्जिद में शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमानी ने कहा कि यह पर्व आपसी स्नेह और भाईचारे का संदेश लेकर आता है। उन्होंने कहा कि ईद यह भी प्रेरणा देती है कि जब कभी देश को हमारे प्राणों की या धन दौलत की जरूरत हो तो उसे पेश किया जाए। लुधियाना में आयोजित कार्यक्रम में नाइजीरिया के छात्र भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद के पास मंदिर और गुरुद्वारा देखकर उन्हें बेहद खुशी होती है। चंडीगढ़ के सेक्टर 29 स्थित मस्जिद में नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर बकरीद की बधाई दी। साथ ही मुस्लिम समाज के कुछ प्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों ने सरकार से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की। उनका कहना था कि गाय भारतीय संस्कृति और आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए प्रभावी नीति बनाई जानी चाहिए।

रेत माफियाओ ने टीम पर चलाए पत्थर, जवाब में वन अमले ने की फायरिंग

» मामला बीट कुर्रवाह के भेलकी घाट सोन नदी का

» सोन नदी में अवैध रेत उत्खनन कर रहे चार ट्रैक्टर जप्त

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। सोन घड़ियाल अभ्यारण्य क्षेत्र के भेलकी घाट में बीती रात रेत के अवैध उत्खनन में लगे ट्रैक्टरों के पकडऩे जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो रेत माफिया द्वारा पत्थर बरसाने शुरू कर दिए गए। बचाव में वन टीम को बंदूक से फायरिंग करनी पड़ी। जिसके बाद रेत माफिया मौके पर से भाग खड़े हुए। वन टीम द्वारा घटनास्थल से चार ट्रैक्टरों को जप्त किया गया है। जिनके राजसात की कार्रवाई की जा रही है। सोन घड़ियाल अभ्यारण्य सीधी के परिक्षेत्राधिकारी मनीराम धुर्वे के अनुसार संजय टाईगर रिजर्व सीधी के उप संचालक राजेश कन्ना टी के निर्देशन में अधीक्षक सोन घड़ियाल अभ्यारण्य सीधी प्रमोद सिंह के मार्गदर्शन एवं परिक्षेत्र अधिकारी सीधी के हमराह परिक्षेत्र सहायक सिहावल संजीव कुमार सोनकर की अगुवाई में वन अमला की गठित टीम द्वारा दिनांक 26-27 मई 2026 की दरम्यानी रात प्रतिबंधित क्षेत्र सोन नदी की रात में गस्त की जा रही थी। गस्त के दौरान बीट कुर्रवाह अंतर्गत भेलकी घाट सोन नदी से कुछ वाहनों से अवैध रेत उत्खनन/परिवहन किए जाने की सूचना मुखविर से मिली। मोबाइल पर सूचना मिलने पर अधीक्षक सोन घड़ियाल अभ्यारण्य सीधी को अवगत कराकर उनके मार्गदर्शन में वाहनों से वन अमला टीम भेलकी घाट पहुंची। यहां चार ट्रैक्टर ट्राली में अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन के लिए रेता लोड किया जाता था। वन टीम को आते देखकर सभी ट्रैक्टर चालक रेता को अनलोड कर भागने का प्रयास किए। किंतु रास्ते में वन टीम के मौजूद होने से सभी चालक भाग खड़े हुए। इसके बाद वन टीम द्वारा ट्रैक्टरों को जप्त करने की कार्रवाई शुरू की गई। उसी दौरान रेत माफिया के लोग मौके पर पहुंचे और पत्थरबाजी शुरू कर दिए। जिससे वाहन का कांच टूट गया। तब आत्मरक्षा में वरिष्ट अधिकारी से अनुमति लेकर हवाईफायर किया गया। जिसके बाद रेत माफिया के लोग भाग खड़े हुए। घटना से पुलिस थाना जमोड़ी को भी सूचित किया गया। भेलकी घाट में पुलिस अमला एवं अन्य अतिरिक्त वन अमला मौके पर पहुंचा।

डा अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा संगठन को मिलेगी और अधिक मजबूती –डा अशोक

» डा अर्चना गुप्ता के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर कार्यकर्ताओं में खुशी

लोकतंत्र की शानः राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनालः भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भाजपा हरियाणा प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता को हरियाणा भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। डा. अर्चना गुप्ता के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर महिलाओं सहित भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी और उत्साह है। डा अर्चना गुप्ता के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डा अशोक कुमार ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल सहित पूरे संगठन का दिल की गहराईयों से धन्यवाद किया और आभार जताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा का संगठन काफी मजबूत है और भविष्य में डा अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा संगठन को और मजबूती मिलेगी। इस मौके पर उनके जीवन परिचय की जानकारी देते हुए डा अशोक कुमार ने बताया कि नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता 9 सितंबर 2015 को पानीपत जिला महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बनीं। जून 2017 में जिला जनसंपर्क और शिकायत निवारण समिति सदस्य नियुक्त किया गया। उन्होंने 13 अगस्त 2019 को पानीपत जिला अध्यक्ष का दायित्व मिला और वे 5 जनवरी, 2024 तक जिला अध्यक्ष के पद पर रहीं। इसके बाद भाजपा नेतृत्व ने 5 जनवरी 2024 को डा. अर्चना गुप्ता को संगठन में प्रदेश महामंत्री की बड़ी जिम्मेदारी दी। डा. अर्चना गुप्ता वर्तमान में अग्रवाल संगठन हरियाणा में सचिव , राष्ट्रीय सेविका समिति की सदस्य, भारत विकास परिषद की सदस्य हैं। सक्रिय राजनीति में आने से पहले से ही डा. अर्चना गुप्ता 2014 से विश्व हिंदू परिषद की भारतीय स्वास्थ्य रेखा की हरियाणा उपाध्यक्ष हैं। 2013 से 2014 तक डा. अर्चना गुप्ता ने विश्व हिंदू परिषद की मेडिकल सेल की सह-संयोजक की जिम्मेदारी भी संभाली है। डा. अर्चना गुप्ता पेशे से गोल्ड मेडलिस्ट डाक्टर हैं। उन्होंने वर्ष 1990 एमबीबीएस, पीजीआईएमएस, 1994 में एमडी, रेडियो डायग्नोसिस (पीजीआईएमएस, रोहतक) से की। वे चिकित्सा सोसाइटी, उत्तर चौप्टर की संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) और भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) की आजीवन सरदस्य भी हैं। उन्होंने अपने 31 वर्षों की प्रैक्टिस में 5 लाख से अधिक महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से पांच प्रमुख राजमार्ग बाधित, यातायात प्रभावित

काठमांडू। नेपाल में लगातार हो रही बारिश से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। इससे देश के कई प्रमुख राजमार्गों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई है। पुलिस प्रशासन के अनुसार बाढ़ और भूस्खलन की वजह से बीपी राजमार्ग सहित पांच महत्वपूर्ण राजमार्गों पर आवागमन बाधित हो गया है। प्रभावित राजमार्गों में बीपी राजमार्ग, कोशी राजमार्ग, मध्य पहाड़ी राजमार्ग, बेनी–जोमसोम राजमार्ग और हिल्सा–सिमकोट राजमार्ग शामिल हैं। प्रशासन ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई मार्गों पर यातायात अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए बीपी राजमार्ग के खुर्कोट–नेपालथोक–कटुन्जेबेंसी खंड पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। वहीं, भूस्खलन की आशंका के चलते हिल्सा–सिमकोट राजमार्ग को भी बंद कर दिया गया है। मध्य पहाड़ी राजमार्ग पर तीन अलग-अलग स्थानों पर भूस्खलन और बाढ़ के कारण यातायात बाधित हो गया है। इसके अलावा म्याग्दी जिले में बेनी–जोमसोम राजमार्ग पर फिलहाल केवल एकतरफा यातायात संचालित किया जा रहा है। नेपाल के भोजपुर और संखुवासभा जिलों में भी मध्य पहाड़ी तथा कोशी राजमार्गों पर बाढ़ और भूस्खलन का असर देखने को मिला है, जहां केवल एकतरफा यातायात जारी है। प्रशासन ने यात्रियों से सतर्क रहने और मौसम विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की है। राहत एवं बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

रूस के नए दो सीटों वाले लड़ाकू जेट से खुले खतरनाक मिशन के राज

मॉस्को। रूस के नए दो सीटों वाले एसयू-57डी लड़ाकू विमान के सफल परीक्षण उड़ान के बाद, इसके मुख्य टेस्ट पायलट सर्गेई बोगदान ने जेट की भविष्य की युद्ध क्षमताओं को लेकर महत्वपूर्ण खुलासे कर दिए हैं। बोगदान के अनुसार, 19 मई को अपनी पहली उड़ान भरने वाला यह विमान केवल एक लड़ाकू जेट नहीं, बल्कि हवा में उड़ता हुआ एक कमांड सेंटर है। सुखोई डिजाइन ब्यूरो के इस मुख्य टेस्ट पायलट ने बताया कि भविष्य की लड़ाई में यह विमान कई तरह की भूमिकाओं को निभा सकता है। उन्होंने बताया कि एसयू-57डी का इस्तेमाल युद्ध के मोर्चे के पास एक कमांडिंग ऑफिसर को तैनात करने के लिए हो सकता है, जो सीधे हवा से युद्धक अभियानों को निर्देशित करेगा। बोगदान ने जोर दिया कि बड़े अभियानों में, खासकर जब संचार बाधित हो सकता है, इसतरह अनुभवी लीडर का हवा में मौजूद रहना निर्णायक साबित होगा। दूसरा पायलट जमीनी नियंत्रण से जुड़ी चुनौतियों को दूर करते हुए, आस-पास के माहौल में बदलावों पर तेजी से प्रतिक्रिया देने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि अगर क्रू में कोई अनुभवी कमांडर हो, तब संचार में रुकावट आने पर भी ऑपरेशन ज्यादा असरदार तरीके से किए जा सकते हैं, जिससे तेजी से निर्णय लेना संभव होता है। बोगदान साल 2000 से सुखोई के चीफ टेस्ट पायलट के तौर पर काम कर रहे हैं और एसयू-57डी की पहली उड़ान भरने से पहले उन्होंने इसके एक प्रोटोटाइप और प्रोडक्शन मॉडल उड़ाए हैं। एसयू-57 रूस का एक स्टील्थ फाइटर जेट है और यह लॉयल विंगमैन क्षमता से लैस होगा। रूस का एमआईजी-31 इंटरसेप्टर भी दो सीटों वाले कॉन्फिगरेशन में विकसित किया गया था ताकि पिछली सीट पर एक वरिष्ठ अधिकारी को बिठाया जा सके। भारत के लिए एसयू-57डी की क्षमताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। भारतीय वायुसेना दशकों से दो सीटों वाले लड़ाकू विमान की तलाश में थी, जिसमें एक पायलट उड़ान भरे और दूसरा पायलट कमांड व कंट्रोल का काम संभाले। बोगदान के खुलासे से यह स्पष्ट होता है कि यह जेट एडवांस एयूएवी की मदद से दुश्मन के रडार को पूरी तरह जाम कर सकता है और ओखोटनिक जैसे घातक स्टील्थ ड्रोनों की पूरी सेना को अकेले नियंत्रित कर सकता है। यह एसयू-57डी को लद्दाख और तवांग जैसे पहाड़ी इलाकों में चीनी रडार और एयर डिफेंस को ध्वस्त करने वाले डीप-पेनिट्रेशन मिशन के लिए एक गेम-चेंजर बनाता है। एलएसी के पार चीन ने जो उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम और रडार तैनात कर रखे हैं, वहां भारतीय वायुसेना के सामान्य फाइटर जेट्स के लिए घुसना बेहद जोखिम भरा है। एसयू-57डी की मदद से भारतीय वायुसेना को दुश्मन की सीमा के 100-200 किलोमीटर अंदर जाकर हमला करने के लिए अपने पायलटों की जान जोखिम में नहीं डालनी होगी।

काजीपेट रेल निर्माण इकाई का काम लगभग पूरा, जल्द शुरू होगा इंटरसिटी रेलगाड़ियों का निर्माण

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे की काजीपेट रेल निर्माण इकाई लगभग अंतिम चरण में है और जल्द ही यहां से इंटरसिटी रेलगाड़ियों का निर्माण शुरू होगा। अगले पांच वर्षों में इस इकाई से 200 इंटरसिटी रेलगाड़ियों का निर्माण किया जाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने यहां गुरुवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ काजीपेट रेल निर्माण इकाई की समीक्षा बैठक की। इस दौरान इकाई को शीघ्र चालू करने की योजना पर चर्चा हुई। वैष्णव ने कहा कि इन गाड़ियों को देशभर में छोटी दूरी की यात्रा के लिए संचालित किया जाएगा।

लगभग 300 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली ये गाड़ियां कई ठहरावों के साथ छात्रों, कामकाजी लोगों और आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक आवागमन का साधन बनेंगी। ये इंटरसिटी रेलगाड़ियां शटल सेवा की तरह काम करेंगी और आसपास के नगरों को जोड़ेंगी। इससे बड़ी संख्या में स्थानीय यातायात सड़कों से रेलमार्ग की ओर स्थानांतरित होगा। इन गाड़ियों में आधुनिक सुविधाएं होंगी, जिनमें स्वचालित दरवाजे बंद होने की प्रणाली, बेहतर वेंटिलेशन, सुरक्षित डिब्बा डिजाइन और 20 डिब्बों का विन्यास शामिल है। प्रत्येक डिब्बे में दो शौचालय होंगे। इसके अलावा झटके रहित कपलर और बोगियां लगाई जाएंगी। ये गाड़ियां 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने के लिए डिजाइन की गई हैं। इनमें पुनर्योजी ब्रेकिंग प्रणाली होगी, जिससे ब्रेक लगाने पर गाड़ी बिजली उत्पन्न कर उसे ग्रिड में वापस भेज सकेगी। यह ऊर्जा सक्षम और पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधन होगा, जिससे सड़क परिवहन की तुलना में कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी।

प्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजनबाई की तबीयत बिगड़ी, रायपुर एम्स में भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें रायपुर एम्स के मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती कराया गया है। उन्हें सांस लेने में गंभीर तकलीफ, निमोनिया, डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) और लो ब्लड प्रेशर (कम रक्तचाप) की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया। एम्स के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी ने आज बताया कि तीजनबाई को ट्रॉमा एवं इमरजेंसी विभाग में लाया गया। इसके बाद में उन्हें मेडिकल इंटेसिव केयर यूनिट में इलाज के लिए शिफ्ट किया गया है। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। तीजनबाई का प्रारंभिक इलाज ट्रॉमा यूनिट में डॉ. नमन द्वारा किया गया। इसके बाद जनरल मेडिसिन में प्रो. डॉ. प्रीतम वासनिक की देखरेख में उन्हें भर्ती किया गया है। अभी मेडिकल इंटेसिव केयर यूनिट में भेजा गया है। इसमें मेडिसिन विभाग से डॉ. प्रणिता, पल्मोनरी मेडिसिन से डॉ. रंगनाथन एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. नीलम उनके इलाज के लिए गठित चिकित्सकीय दल में शामिल हैं। तीजन बाई की बहू वेणु देशमुख के अनुसार, डॉक्टरों द्वारा त्वरित इलाज (इमरजेंसी ट्रीटमेंट) दिए जाने के बाद तीजन बाई की स्थिति में अब पहले से सुधार है और वे फिलहाल खतरे से बाहर हैं। एम्स प्रबंधन द्वारा जारी मीडिया बुलेटिन के अनुसार, उन्हें गंभीर स्थिति में ट्रॉमा एवं इमरजेंसी विभाग में लाया गया था, जहां से उन्हें एमआईसीयू में शिफ्ट कर उपचार दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पद्म विभूषण तीजन बाई ने अपनी अनूठी कपालिक शैली में महाभारत की कथाओं (पंडवानी) को देश और दुनिया भर में पहचान दिलाई है। उनकी उम्र और कमजोरी को देखते हुए प्रशंसक और परिवार उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार उनके इलाज पर पूरी नजर रखे हुए है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पूर्व में भी उनके घर जाकर 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की थी और उनके घरेलू इलाज के लिए मेडिकल ऑफिसर और फिजियोथेरेपिस्ट की ड्यूटी लगाई थी।

पीएमएवाई-जी के तहत 12 राज्यों को 10,021 करोड़ का फंड जारी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के अंतर्गत 12 राज्यों को 10,021.42 करोड़ रुपये का फंड जारी किया। इस मौके पर केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी भी उपस्थित थे। जिन राज्यों को फंड की स्वीकृति जारी की गई उसमें-असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु एवं उत्तर प्रदेश शामिल हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राजस्थान के मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, असम के मंत्री अतुल बोरा, झारखंड की मंत्री दीपिका पांडे, ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव रोहित कंसल समेत केंद्र और विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि योजना के अंतर्गत 4.95 करोड़ घरों के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 3.91 करोड़ घरों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है तथा 3.05 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि कुछ गरीब परिवारों के पास भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण आवास निर्माण कार्य प्रभावित होता है। ऐसे मामलों में राज्यों को भूमि उपलब्ध कराने एवं आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने के लिए विशेष पहल करनी चाहिए। उन्होंने राज्यों से लंबित शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण करने तथा जारी की गई राशि के त्वरित उपयोग को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ राज्यों ने अभी तक वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लक्ष्यों के अनुरूप स्वीकृतियां पूर्ण नहीं की हैं, जिन्हें 30 जून 2026 तक पूरा किया जाना चाहिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़, माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी एवं पीएमएवाई-जी इकाई से कम-से-कम एक पौधा लगाने का आह्वान भी किया।

सीबीएसई विवाद के लिए धर्मेंद्र प्रधान जिम्मेदार : राहुल गांधी

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर विवाद के लिए सीधे तौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जिम्मेदार ठहराया है। राहुल ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस मामले की चाहे जांच की गई हो या न की गई हो, दोनों ही स्थितियों में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। यदि प्रधानमंत्री को विद्यार्थियों की चिंता होती तो वे मंत्री को बहुत पहले ही पद से हटा देते।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने धर्मेंद्र प्रधान के लगातार चुनावी हार की कुंठा वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधान चाहे उन पर जितना भी हमला करें, इससे 18.5 लाख विद्यार्थियों के लिए जवाब मांगना बंद नहीं करेंगे।

राहुल ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली का ठेका 'सीओएमपीईटी' कंपनी को दिए जाने पर सवाल उठाया, जो पहले ग्लोबेरेना नाम से विवादों में रही है। उन्होंने पूछा- यह किसके आदेश पर हुआ, कोई पृष्ठभूमि जांच क्यों नहीं की गई और कंपनी प्रबंधन का सरकार से क्या संबंध है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले प्रधान ने सीबीएसई अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते कहा था कि राहुल गांधी चुनावी हार की कुंठा के कारण देश की वैज्ञानिक प्रगति का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस प्रणाली में हुई किसी भी असुविधा की जिम्मेदारी वे स्वयं लेते हैं। सीबीएसई ने इस मामले पर अपना जवाब दिया है जो भारत सरकार की खरीद नीति के अनुरूप है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि कोई अनियमितता पाई जाती है तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

हर्ष मल्होत्रा के दिल्ली भाजपा अध्यक्ष बनने पर नेताओं ने दी बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा को भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर पार्टी के नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि हर्ष मल्होत्रा भाजपा की विचारधारा को और अधिक मजबूती से जन-जन तक पहुंचाएंगे। उन्होंने हर्ष मल्होत्रा के सफल और प्रभावी कार्यकाल की कामना की।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हर्ष मल्होत्रा को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया जाना अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि संगठन के प्रति हर्ष मल्होत्रा का दीर्घकालिक समर्पण, जमीनी कार्यशैली और कार्यकर्ताओं के साथ

आत्मीय जुड़ाव सदैव प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में दिल्ली भाजपा संगठन और अधिक सशक्त होगा और विकसित दिल्ली के संकल्प को नई गति मिलेगी। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने हर्ष मल्होत्रा को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊर्जा, मजबूती और जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि लंबे समय से संगठन से जुड़े हर्ष मल्होत्रा के अध्यक्ष बनने से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित दिल्ली और विकसित भारत के विजन को दिल्ली भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता नई ऊर्जा और उत्साह के साथ आगे बढ़ाएगा।

राजस्थान में स्कॉर्पियो में जिंदा जले पूर्व सरपंच मां-बेटे सहित चार लोग, हत्या का अंदेशा

एजेंसी, अजमेर

अजमेर जिले में गुरुवार तड़के एक स्कॉर्पियो में आग लगने से पूर्व सरपंच मां-बेटे सहित चार लोग जिंदा जल गए। घटना बोराड़ा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुरा गांव के पास सुबह करीब 5:30 बजे हुई। शुरुआती तौर पर मामला हादसा माना जा रहा था, लेकिन मौके से मिले सुबूतों के बाद पुलिस अब हत्या के एंगल से भी जांच रही है। इस घटना में श्रीरामपुरा निवासी एवं पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी, उनकी मां एवं पूर्व सरपंच पुसी देवी, पत्नी एवं कांग्रेस समर्थित निवर्तमान जिला परिषद सदस्य सुरज्ञान देवी तथा भांजी महिमा की मौत हो गई। चारों के शव स्कॉर्पियो में बुरी तरह जले हुए मिले।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पूर्व सरपंच पुसी देवी के सीने में दर्द की शिकायत थी। इसी कारण

रामसिंह चौधरी उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए सुबह घर से निकले थे। कार में परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। गांव से करीब एक किलोमीटर दूर अचानक वाहन में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ ही मिनटों में पूरी गाड़ी आग का गोला बन गई और अंदर बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए।

आग इतनी भीषण थी कि आसपास से पानी के टैंकर बुलाकर आग पर काबू पाया गया। हादसे के कुछ देर बाद पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला सहित पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब पुलिस जांच के दौरान मृतक सुरज्ञान देवी के गले पर खून के निशान पाए गए। इसके अलावा तलाशी में पुलिस को दो ईंटें और खून के धब्बे भी मिले हैं। इन

♦ **सुबह करीब 5:30 बजे हुई घटना**

परिस्थितियों ने घटना को संदिग्ध बना दिया। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया है और तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या फिर इसके पीछे कोई साजिश है, इसकी गहन जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस इसे हत्या मानकर भी जांच आगे बढ़ा रही है। रामसिंह चौधरी क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय चेहरा माने जाते थे। वे बोराड़ा ग्राम पंचायत के सरपंच रह चुके थे और किशनगढ़ विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव भी लड़ चुके थे।

रिटायर्ड जज सास गिरिबाला सिंह गिरफ्तार

ट्विशा शर्मा मौत मामला

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के चर्चित अभिनेत्री ट्विशा शर्मा मौत मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए मृतका की सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, मप्र उच्च न्यायालय के अग्रिम जमानत निरस्त किए जाने के ठीक अगले दिन आज गुरुवार सुबह करीब सीबीआई के अधिकारी उनके भोपाल स्थित निवास पर पहुंच गए थे। घर के भीतर लगभग सात घंटे तक चली लंबी और कड़ी पूछताछ के बाद शाम 5:10 बजे सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई की टीम अब गिरिबाला सिंह को मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी में है। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे बागसेवनिया थाने के टीआई अमित सोनी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कानूनी औपचारिकताओं और डॉक्टरी परीक्षण के बाद आरोपित पूर्व जज को आज ही अदालत में पेश किया जाएगा। इस हाई प्रोफाइल मामले में गिरफ्तारी को देखते हुए कटारा हिल्स

और बागसेवनिया थानों का भारी पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है और घर के आसपास के रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है।

गिरफ्तारी से पहले गुरुवार को दिनभर चली कार्रवाई के दौरान सीबीआई की टीम ने डिजिटल फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने पर विशेष जोर दिया। जांच दल ने गिरिबाला सिंह के पूरे घर और परिसर की हाई इंटेंसिटी थ्रीडी कैमरों के जरिए 360 डिग्री रिकॉर्डिंग की। इसके साथ ही आसपास की भौगोलिक स्थिति और लोकेशन को भी आधुनिक उपकरणों से स्कैन किया गया, ताकि तकनीकी रूप से यह सटीक अनुमान लगाया जा सके कि घटना वाला कमरा या हिस्सा किसी पड़ोसी मकान की छत, खिड़की या बालकनी से साफ दिखाई देता है या नहीं।

गौरतलब है कि बुधवार को ही मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को

♦ **जांच एजेंसी ने घर के भीतर लगभग सात घंटे तक की गिरिबाला सिंह से पूछताछ**

पलटते हुए गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत याचिका को सिरे से खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने अपने 17 पन्नों के कड़े आदेश में स्पष्ट कहा था कि मृतका के शरीर पर मिलीं संदिग्ध चोटों, मामले की गंभीरता और जांच के शुरुआती दौर को देखते हुए आरोपित को खुला छोड़ना न्यायोचित नहीं है। इसी आदेश को आधार बनाते हुए सीबीआई ने त्वरित कार्रवाई की।

मामले में ट्विशा के आरोपित पति समर्थ सिंह को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और वह 29 मई तक सीबीआई की कस्टडी रिमांड पर है। सीबीआई दोनों आरोपितों को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ कर सकती है। बता दें कि 12 मई की रात कटारा हिल्स स्थित ससुराल में ट्विशा शर्मा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था, जिसके बाद 24 मई को दिल्ली ऐम्स की टीम ने भोपाल आकर दोबारा शव का पोस्टमॉर्टम किया था। अब इस मामले की जांच सीबीआई ने अपने हाथों में ली है।

मुख्यमंत्री विजय कांग्रेस नेता सोनिया और राहुल से बगैर मुलाकात किए चेन्नई लौटे

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात करने के बाद गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे चेन्नई लौट आए। मुख्यमंत्री विजय को आज कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात किए बगैर ही लौट आए हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय पहली बार दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर दिल्ली गए थे। वे कल सुबह 10 बजे चेन्नई से विशेष विमान से रवाना हुए और दोपहर करीब 1 बजे राजधानी पहुंचे। वहां उन्होंने सबसे पहले तमिलनाडु भवन का दौरा किया, जहां अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद शाम करीब 4:30 बजे प्रधानमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री

विजय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

मुख्यमंत्री विजय ने प्रधानमंत्री के समक्ष विशेष रूप से मेकेदातु बांध विवाद और तमिल थाई वाझ्थु विवाद सहित राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री विजय ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के विकास के लिए बंदरगाह, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे परियोजनाओं और औद्योगिक कॉरिडोर के लिए प्राथमिकता के आधार पर पर्याप्त वित्तीय सहायता देने की मांग की।

राष्ट्रपति ने सिक्किम पुलिस को 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' से सम्मानित किया

एजेंसी, गंगटोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गंगटोक में गुरुवार को आयोजित एक समारोह में सिक्किम पुलिस को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 'राष्ट्रपति पुलिस ध्वज' से सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सिक्किम पुलिस से जुड़े सभी भूतपूर्व और वर्तमान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को इस सम्मान के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 1897 में अपनी स्थापना के बाद से ही इस बल ने सिक्किम में शांति, सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत की पुलिस व्यवस्था पर औपनिवेशिक शासन की गहरी छाप है। औपनिवेशिक अधीनता के दौर में पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना नहीं, बल्कि उन पर नियंत्रण रखना और सत्ताधारी शासन के आदेशों को सख्ती से लागू करना था। इसी कारण पुलिस व्यवस्था में

औपनिवेशिक मानसिकता घर कर गई। इस मानसिकता के तहत पुलिस में जनता के साथ सहयोग करने के बजाय उन पर शासन करने का रवैया हावी था।

अब यह मानसिकता बदल रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए इस औपनिवेशिक सोच को पूरी तरह से त्यागना आवश्यक है। तभी नागरिक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में पूर्णतः योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही अत्यंत आवश्यक हैं। पुलिस तंत्र को अधिक नागरिक-हितैषी बनाया जाना चाहिए ताकि आम लोग बिना किसी भय के अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें।

भारत-रूस शिक्षा शिखर सम्मेलन का शुभारंभ, तकनीकी, चिकित्सा शिक्षा पर चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

द्वितीय भारत-रूस शिक्षा शिखर सम्मेलन-2026 (आईआरईएस-2026) का गुरुवार को यहां के ली मेरीडियन होटल में शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के पहले दिन दोनों देशों के शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों ने चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), छात्र विनिमय और संयुक्त अनुसंधान जैसे विषयों पर चर्चा की। सम्मेलन में शैक्षणिक सहयोग, संस्थागत साझेदारी और भविष्य केंद्रित शिक्षा मॉडल को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

रूसी शिक्षा संस्था, भारत में रूसी दूतावासा रॉसोट्रुडनिचेस्टवो और नई दिल्ली स्थित रशियन हाउस के सहयोग से इस शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्घाटन भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव, रॉसोट्रुडनिचेस्टवो के प्रतिनिधि कार्यालय की प्रमुख डॉ. एलेना रेमिजोवा, रूस

की उप स्वास्थ्य मंत्री डॉ. तात्याना सेम्योनोवा, रॉसोट्रुडनिचेस्टवो के उप प्रमुख डॉ. पावेल शेवत्सोव ने संयुक्त रूप से किया।

उद्घाटन समारोह में रूस के कृषि मंत्रालय के शिक्षा विभाग की निदेशक यूलिया कोंदिकोवा और भारतीय प्रतिनिधियों में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष डॉ. अभिजात चंद्रकांत शेठ, भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष प्रो विनय कुमार पाठक, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो केसी शर्मा, भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल, एमिटी शिक्षा समूह के कुलपति प्रो गुरिंदर सिंह, शारदा समूह संस्थानों के संस्थापक एवं अध्यक्ष पीके गुप्ता सहित तमाम लोग शामिल हुए।

सम्मेलन के पहले दिन चार प्रमुख पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया, जिनमें चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, एआई, रोबोटिक्स एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी, कृषि, खाद्य सुरक्षा, खेल, युवा सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इन चर्चाओं ने छात्र विनिमय, फैकल्टी एक्सचेंज, संयुक्त अनुसंधान, शैक्षणिक साझेदारी और दीर्घकालिक संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। रूस एजुकेशन संस्था के उपाध्यक्ष एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. पवन कपूर ने कहा कि आईआरईएस ने भारत और रूस के बीच शैक्षणिक संवाद और संस्थागत सहयोग को नई मजबूती दी है, जिससे भविष्य केंद्रित शैक्षणिक साझेदारियों के नए अवसर पैदा हुए हैं। डॉ. एलेना रेमिजोवा ने कहा कि यह सम्मेलन भारत और रूस के बीच मजबूत शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है।

मिशन डेमोग्राफी: इललीगल माइग्रेंट्स (डिटरमिनेशन बाय ट्रिब्यूनल्स) एक्ट1983 क़ा दुष्प्रभाव- अवैध घुसपैठियों पर सरकार का चलेगा डंड-भारत की बदलती जनसांख्यिकीय चुनौती का व्यापक समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» भारत में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का प्रश्न केवल आँकड़ों का विषय नहीं बल्कि संविधान, नागरिकता, मानवाधिकार, लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के जटिल संतुलन से जुड़ा हुआ है

» मिशन डेमोग्राफी केवल अवैध घुसपैठ के विरुद्ध अभियान नहीं बल्कि भारत के भविष्य की सामाजिक, राजनीतिक और सुरक्षा संरचना से जुड़ा प्रश्न बन चुका है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत में अवैध घुसपैठ, सीमाई सुरक्षा और जनसंख्या संरचना में हो रहे बदलावों को लेकर बहस कोई नई नहीं है,लेकिन वर्ष 2026 में यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा विमर्श के केंद्र में आ गया है। केंद्र सरकार ने मिशन डेमोग्राफी के तहत जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर एक उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा करके यह संकेत दिया है कि अब अवैध प्रवासन को केवल कानून-व्यवस्था या मानवीय समस्या के रूप में नहीं,बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, लोकतांत्रिक संतुलन, सीमा प्रबंधन, संसाधनों पर दबाव और सामाजिक स्थिरता से जुड़ी व्यापक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने जिस अननेचुरल डेमोग्राफिक चेंज की बात कही, उसका सीधा संबंध उन क्षेत्रों से जोड़ा जा रहा है जहाँ सरकार के अनुसार अवैध घुसपैठ,सीमा पार गतिविधियों और संगठित बसावट के कारण जनसंख्या संरचना में असामान्य बदलाव दिखाई दे रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है,जिसका उद्देश्य अवैध आप्रवास,सीमाई घुसपैठ,मतदाता पहचान, फर्जी दस्तावेज, सीमा प्रबंधन और जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों का व्यापक अध्ययन करना है। इस पूरी बहस के केंद्र में एक पुराना और विवादित कानून भी फिर चर्चा में आ गया है, आईएमडीटी एक्ट,1983, जिसे आलोचक असम में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का बड़ा कारण मानते हैं, जबकि समर्थक इसे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते रहे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि आज मिशन डेमोग्राफी को लेकर जो राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष दिखाई दे रहा है,उसकी जड़ें असम आंदोलन,अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ और भारतीय लोकतंत्र में वोट बैंक राजनीति के आरोपों तक जाती हैं। यही कारण है कि सरकार अब डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट की नीति को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की दिशा में सक्रिय दिखाई दे रही है। साथियों बात अगर हम भारत में अवैध प्रवासन क़े प्रश्न को समझने की करें तो, यह विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों,खासकर असम से जुड़ा रहा है। असम लंबे समय तक बांग्लादेश से होने वाली कथित अवैध घुसपैठ का केंद्र माना जाता रहा।1970 और 1980 के दशक में यह मुद्दा इतना बड़ा बन गया कि वहाँ व्यापक जन आंदोलन शुरू हुआ,जिसे असम आंदोलन कहा गयाआंदोलनकारी संगठनों का आरोप था कि बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी राज्य की जनसंख्या संरचना बदल रहे हैं,स्थानीय संस्कृति और भाषाई पहचान पर दबाव बढ़ रहा है तथा मतदाता सूचियों में बाहरी लोगों के नाम शामिल होने से लोकतांत्रिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। इसी पृष्ठभूमि में 1983 में इललीगल माइग्रेंट्स (डिटरमिनेशन बाय ट्रिब्यूनल्स) एक्ट यानी आईएमडीटी एक्ट लागू किया गया। यह कानून केवल असम में लागू था और इसका उद्देश्य अवैध प्रवासियों की पहचान करना बताया गया था। साथियों, आईएमडीटी एक्ट की सबसे बड़ी विशेषता और विवाद यही था कि इसमें किसी व्यक्ति को विदेशी साबित करने की जिम्मेदारी राज्य और शिकायतकर्ता पर डाली गई थी। भारत के बाकी हिस्सों में लागू फॉरेनर्स एक्ट,1946 के तहत यदि किसी व्यक्ति पर विदेशी होने का संदेह होता था तो उस व्यक्ति को स्वयं साबित करना पड़ता था कि वह भारतीय नागरिक है।लेकिन आईएमडीटी एक्ट में उल्टा प्रावधान था। आलोचकों ने कहा कि इससे अवैध घुसपैठियों की पहचान करना लगभग असंभव हो गया। शिकायत दर्ज कराने वाले व्यक्ति को विस्तृत प्रमाण देने पड़ते थे,जबकि प्रशासनिक प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि हजारों मामलों में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाती थी। यही कारण था कि कई राष्ट्रवादी और क्षेत्रीय संगठनों ने इसे घुसपैठियों को संरक्षण देने वाला कानून कहना शुरू कर दिया।असम में जनसंख्या परिवर्तन को लेकर जो चिंता व्यक्त की जाती रही, उसका संबंध केवल आबादी की संख्या से नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सांस्कृतिक पहचान से भी था। कई जिलों में धार्मिक और भाषाई संरचना बदलने के दावे किए गए। स्थानीय संगठनों का आरोप था कि अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा रहे हैं, जिससे चुनावी समीकरण प्रभावित हो रहे हैं। यही कारण था कि डेमोग्राफी और डेमोक्रेसी को एक-दूसरे से जोड़ा जाने लगा। आलोचकों का तर्क था कि यदि बड़ी संख्या में बाहरी लोग मतदाता बन जाते हैं तो स्थानीय समुदायों का राजनीतिक प्रभाव कमजोर हो सकता है। दूसरी ओर आईएमडीटी एक्ट के समर्थकों का कहना था कि असम में रहने वाले अनेक बंगाली भाषी मुसलमानों और गरीब नागरिकों को मनमाने ढंग से विदेशी घोषित किए जाने का खतरा था, इसलिए यह कानून मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी था।यह विवाद अंततः भारतीय सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा। वर्ष 2005 में सुप्रीम कोर्ट ने आईएमडीटी एक्ट को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि यह कानून अवैध घुसपैठ रोकने में प्रभावी साबित नहीं हुआ और इसने विदेशी पहचान की प्रक्रिया को अत्यधिक कठिन बना दिया। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि असम की जनसांख्यिकीय स्थिति और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके बाद असम में भी विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए फॉरेनर्स एक्ट के नियम लागू किए गए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को कई लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से ऐतिहासिक माना, जबकि कुछ मानवाधिकार संगठनों ने चिंता व्यक्त की कि इससे निर्दोष नागरिकों को परेशान किए जाने की संभावना सटीकता से बढ़ सकती है। साथियों, अब वर्ष 2026 में केंद्र सरकार जिस मिशन डेमोग्राफी की बात कर रही है, उसकी वैचारिक पृष्ठभूमि कहीं न कहीं इसी ऐतिहासिक बहस से जुड़ी हुई दिखाई देती है। गृह मंत्रालय द्वारा गठित नई उच्चस्तरीय समिति का उद्देश्य केवल अवैध घुसपैठ की पहचान करना नहीं बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का वैज्ञानिक और साक्ष्य- आधारित अध्ययन करना बताया गया है। समिति की अध्यक्षता जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर को सौंपी गई है, जो सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और मध्य प्रदेश के पूर्व लोकायुक्त रह चुके हैं। समिति में पूर्व नौकरशाह, पुलिस अधिकारी, आर्थिक विशेषज्ञ और जनगणना आयुक्त जैसे सदस्य शामिल किए गए हैं ताकि इस संवेदनशील विषय का बहुआयामी अध्ययन किया जा सके।समिति को जिन प्रमुख कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है, वे इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाते हैं। इसे अवैध आप्रवास सहित जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के कारणों का अध्ययन करना है। सीमा पार गतिविधियाँ, आर्थिक अवसर, नियोजित प्रवासन, असामान्य बसावट पैटर्न और सामाजिक-पर्यावरणीय कारकों की भूमिका का विश्लेषण करना है। समिति धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर संरचनात्मक जनसंख्या परिवर्तनों का अध्ययन करेगी, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ आँकड़े राष्ट्रीय प्रवृत्तियों से अलग दिखाई देते हैं। साथ ही इसे अवैध आप्रवासियों की कानूनी, निष्पक्ष और समयबद्ध पहचान, हिरासत और निर्वासन के लिए स्थायी संस्थागत ढाँचे की सिफारिश करने का कार्य भी सौंपा गया है। साथियों सरकार की 3डी नीति,डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट—इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। डिटेक्ट का अर्थ है अवैध प्रवासियों की पहचान करना, डिलीट का अर्थ मतदाता सूची या सरकारी रिकॉर्ड से फर्जी नाम हटाना और डिपोर्ट का मतलब अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को वापस भेजना। सरकार का दावा है कि यह अभियान केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न है। सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ, नकली दस्तावेज, आतंक वित्तपोषण, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसी गतिविधियों को इससे जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि गृह मंत्री अमित शाह ने सभी सीमाओं पर 360 डिग्री प्लान लागू करने की बात कही है, जिसमें सीमा सुरक्षा बल, खुफिया एजेंसियाँ, केंद्रीय विभाग और राज्य सरकारें मिलकर काम करेंगी।हालाँकि इस पूरे मुद्दे का राजनीतिक आयाम भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वेस्ट बंगाल में चुनावों के दौरान बीजेपी ने अवैध घुसपैठ को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। पार्टी का आरोप रहा है कि सीमावर्ती इलाकों में अवैध प्रवास के कारण जनसंख्या संतुलन और चुनावी राजनीति प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार इस मुद्दे का राजनीतिक ध्रुवीकरण के लिए उपयोग करती है। आलोचकों का तर्क है कि जनसंख्या परिवर्तन केवल अवैध घुसपैठ का परिणाम नहीं होता; इसके पीछे रोजगार, शहरीकरण, आंतरिक पलायन, आर्थिक अवसर और सामाजिक गतिशीलता जैसे अनेक कारण भी होते हैं। इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले विस्तृत तथ्यात्मक अध्ययन आवश्यक है।इसी कारण नई समिति का गठन महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सरकार इसे साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का आधार बता रही है। समिति को एक वर्ष के भीतर रिपोर्ट सौंपनी है और आवश्यकता पड़ने पर छह महीने का विस्तार भी दिया जा सकता है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर सीमा प्रबंधन, नागरिक पहचान प्रणाली, जनसंख्या निगरानी और अवैध प्रवासियों की पहचान को लेकर बड़े प्रशासनिक और कानूनी कदम उठाए जा सकते हैं। साथियों, इस बहस का एक महत्वपूर्ण पहलू मानवाधिकार और संवैधानिक संतुलन भी है। भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है जहाँ कानून का शासन सर्वोच्च माना जाता है। इसलिए किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि वास्तविक भारतीय नागरिकों को परेशान न किया जाए और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन न हो। यही कारण है कि विशेषज्ञ बार-बार कानूनी, निष्पक्ष और समयबद्ध प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित किया जाता है तो उसके लिए पर्याप्त कानूनी प्रक्रिया, अपील का अधिकार और दस्तावेजी सत्यापन आवश्यक होगा। साथियों अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अवैध प्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तन आज कई देशों के लिए बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुके हैं। यूरोप, अमेरिका और एशिया के अनेक देशों में सीमा सुरक्षा, अवैध आप्रवास और राष्ट्रीय पहचान को लेकर तीखी बहसें चल रही हैं। भारत में भी यही विमर्श अब अधिक संस्थागत और नीति-आधारित रूप लेता दिखाई दे रहा है। फर्क केवल इतना है कि भारत की स्थिति अत्यंत जटिल है, क्योंकि यहाँ विविध भाषाएँ, धर्म, संस्कृतियाँ और सीमाई चुनौतियाँ एक साथ मौजूद हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि मिशन डेमोग्राफी केवल अवैध घुसपैठ के विरुद्ध अभियान नहीं बल्कि भारत के भविष्य की सामाजिक, राजनीतिक और सुरक्षा संरचना से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। एक पक्ष इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और लोकतांत्रिक संतुलन की रक्षा के लिए आवश्यक कदम मानता है, जबकि दूसरा पक्ष आशंका व्यक्त करता है कि इस मुद्दे का राजनीतिक और सांप्रदायिक उपयोग हो सकता है। आईएमडीटी एक्ट से लेकर आज की हाई-लेवल कमेटी तक की यात्रा यह दिखाती है कि भारत में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का प्रश्न केवल आँकड़ों का विषय नहीं बल्कि संविधान, नागरिकता, मानवाधिकार, लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के जटिल संतुलन से जुड़ा हुआ है। आने वाले समय में समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर उठाए जाने वाले कदम यह तय करेंगे कि भारत इस चुनौती का समाधान किस दिशा में खोजता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है एवरेस्ट पर चढ़ाई

लेखक- योगेश कुमार गोयल

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय सागरमाथा दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं। माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर होता है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बांहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गर्वनर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों ही बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुई किन्तु सफल कोई नहीं हुआ।

"बच्चों को सिर्फ पढ़ाइए मत... उन्हें समझिए और समझाएं भी"

लेखक- डॉ. निवेदिता शर्मा

भोपाल की 17 वर्षीय ओजस्वी ने जब ये शब्द "सॉरी मम्मी-पापा... मैं अच्छी बेटी नहीं बन सकी..." लिखे होंगे, तब शायद उसकी आंखों में आंसू रहे होंगे, मन में डर रहा होगा और दिल में एक ऐसा भाव, जिसे वह किसी से कह नहीं पाई! सोचिए... एक बच्ची, जो अपने माता-पिता की दुनिया थी, जिसने बचपन से उनके स्नेह में पलकर सपने देखे, आखिर उसके मन में ऐसा कौन-सा तूफान उठा होगा कि उसे जीवन छोड़ देना आसान लगा? यह घटना सिर्फ भोपाल की नहीं है। यह हर उस घर की कहानी है जहां बच्चे मुस्कुराते तो हैं, किंतु भीतर से टूट रहे होते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कई बच्चों की चुप्पी दिखाई नहीं देती। आज जरूरत इस बात की है कि हम उनसे यह पूछें- "तुम ठीक तो हो ना?" सच कहा जाए तो बच्चे कमजोर नहीं होते, बस अकेले पड़ जाते हैं, अक्सर हम बड़े लोग सोचते हैं कि बच्चों की जिंदगी में आखिर तनाव ही क्या है? ना कमाने की चिंता, ना घर चलाने की जिम्मेदारी, किंतु सच मानिए, आज का बच्चा भीतर से जितना दबाव झेल रहा है, शायद उतना पहले कभी नहीं था।उसके आसपास बनी मोबाइल और गेम की दुनिया ने जैसे उसके जीवंत संबंध ही उससे छीन लिए हैं। अधिकांश परिवार भी वो व्यनवस्थाब नहीं कर पा रहे जिसमें बच्चेच को मन और तन की सुदृढ़ता मिले। आज 13 से 17 साल की उम्र में हर चौथा बच्चा डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्या से गुजर रहा है। यह आंकड़ा डराता है। क्योंकि इसका मतलब है कि हमारे आसपास बैठे चार बच्चों में से एक बच्चा शायद हर रात अकेले रोता हो, हर दिन खुद को दूसरों से कम समझता हो या हर पल किसी डर में जी रहा हो। किशोरावस्था वह उम्र होती है जहां बच्चे खुद को साबित करने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि यदि वे असफल हुए तो लोग उन्हें प्यार करना छोड़ देंगे। छोटी-सी डांट भी उन्हें यह महसूस करा सकती है कि वे "अच्छे बच्चे" नहीं हैं। यही वजह है कि कई बार हम जो बात गुस्से में कह देते हैं, वही बात बच्चे के दिल में तीर की तरह उतर जाती है। सोचिए... जब बच्चा उदास होकर कमरे में चला जाए, खाना छोड़ दे, कम बोलने लगे या अकेला रहने लगे, तब क्या हम उसके पास बैठते हैं? क्या हम उससे पूछते हैं; "क्या बात है बेटा? तुम परेशान लग रहे हो..." अक्सर हम कहते हैं, "इतनी-सी बात पर रोते हो?" "हमारे समय में ऐसा नहीं होता था।" "मोबाइल छोड़ो, सब ठीक हो जाएगा।" लेकिन सच यह है कि बच्चे समाधान से पहले अपनापन चाहते हैं। उन्हें सलाह से पहले सुनने वाला चाहिए।

नंबरों की दौड़ ने बचपन छीन लिया-आज हर बच्चा एक प्रतियोगिता में भाग रहा है। स्कूल की रैंक, कोचिंग का दबाव, प्रतियोगी परीक्षाएं, करियर की चिंता, ऐसा लगता है जैसे बच्चों को बचपन से ही यह समझा दिया गया हो कि जिंदगी एक रेस है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में छात्र आत्महत्या के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। मोबाइल के दौर में बच्चे सबसे ज्यादा अकेले हैं। घर में सब साथ बैठे होते हैं, लेकिन बातचीत गायब हो चुकी है। माता-पिता मोबाइल में व्यस्त हैं, बच्चे स्क्रीन में खोए हैं और भावनाएं धीरे-धीरे मौन होती जा रही हैं। सोशल मीडिया ने बच्चों को तुलना करना सिखा दिया है। कोई ज्यादा सुंदर दिखता है, कोई ज्यादा अमीर, कोई ज्यादा सफल। ऐसे में बच्चा अपने जीवन को कमतर समझने लगता है। ऐसे में कई बच्चे साइबर बुलिंग का शिकार होते हैं। कई बच्चों को बॉडी शेमिंग झेलनी पड़ती है, किंतु वे डर के कारण किसी से कुछ नहीं कहते। बच्चे बाहर से सामान्य दिखते हैं, लेकिन अंदर से बिखर चुके होते हैं। यही सबसे खतरनाक स्थिति है।

बच्चों को सलाह नहीं, भरोसा चाहिए-हर बच्चा चाहता है कि उसके जीवन में कोई ऐसा हो जिसके सामने वह बिना डरे रो सके। जब बच्चा गलती करे, तब उसे यह डर नहीं होना चाहिए कि अब मम्मी-पापा प्यार नहीं करेंगे। उसे यह भरोसा होना चाहिए कि डांट पड़ेगी, लेकिन साथ नहीं छूटेगा। बच्चों को यह मत सिखाइए कि "लोग क्या कहेंगे?" उन्हें यह सिखाइए कि "मुश्किल समय में बात करना कमजोरी नहीं, हिम्मत है।" यदि बच्चा उदास है, गुस्से में रहता है, अचानक चुप हो गया है या बार-बार खुद को बेकार कहता है, तो इसे नजरअंदाज मत कीजिए। यह मदद की पुकार हो सकती है।

माता-पिता भी थोड़ा रुककर खुद से सवाल करें-कभी-कभी हमें खुद से पूछना चाहिए कि क्या हमने अपने बच्चे को आखिरी बार बिना किसी कारण गले कब लगाया था? क्या हमने उसकी बातें बिना टोके सुनी थीं?क्या हमने कभी उससे कहा- "तुम जैसे भी हो, हमारे लिए बहुत खास हो..." बच्चों को महंगे स्कूल, कोचिंग और मोबाइल से ज्यादा जरूरत अपने माता-पिता के समय और स्नेह की होती है।

मानसिक स्वास्थ्य को समझना समय की मांग है-आज मानसिक स्वास्थ्य कोई "फैशन" या "बहाना" नहीं है। यह एक वास्तविक समस्या है। जैसे शरीर बीमार होता है, वैसे ही मन भी बीमार हो सकता है। यदि किसी बच्चे को बुखार हो तो हम तुरंत डॉक्टर के पास जाते हैं, किंतु जब बच्चा लगातार उदास रहता है, तब हम कहते हैं- "सब ठीक हो जाएगा..." नहीं, हर बार सब अपने आप ठीक नहीं होता। कई बार विशेषज्ञ की मदद जरूरी होती है। हमें बच्चों को यह समझाना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं है। रो लेना, अपनी परेशानी बताना और काउंसलर से बात करना बिल्कुल सामान्य बात है।

हमें कैसी पीढ़ी चाहिए? हमें सिर्फ सफल बच्चे नहीं, खुश बच्चे चाहिए। ऐसे बच्चे जो अपने मन की बात कह सकें, जो असफलता से डरें नहीं और जिन्हें यह भरोसा हो कि उनका परिवार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है। आज रात जब आपका बच्चा आपके सामने आए, तो उससे सिर्फ पढ़ाई की बात मत कीजिए। उसके सिर पर हाथ रखिए और पूछिए- "सच-सच बताना... तुम खुश तो हो ना?" क्योंकि कई बार एक संवेदनशील बातचीत वह कर जाती है, जो बड़ी-बड़ी सीख और डांट भी नहीं कर पाती। फिर भी यदि कभी किसी बच्चे या युवा के मन में आत्महत्या का विचार आए, तो तुरंत सहायता लें। मध्यप्रदेश में बाल अधिकार संरक्षण आयोग सीपीसीआर एक्टक 2007 के अंतर्गत बाल अधिकारों की सुरक्षा हेतु निरंतर आप बच्चोंर के हित, सर्वोच्चद देखभाल और चिंता के लिए ही कार्यरत है। यदि कहीं भी लगता है, कुछ भी गलत हो रहा है, यदि कहीं अंदर अवसाद या नकारात्म कता स्वतयं पर हावी हो रही है तो बाल आयोग से सीधे संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में माननीय मुख्योमंत्री डॉ. मोहन यादवजी ने अनेक योजनाएं आज मप्र के बच्चोंत के हित में चलायी हुई हैं, बच्चो और उनके अभिभावक दोनों ही अपने अनुरूप उन योजनाओं का लाभ लेने आगे आ सकते हैं। यदि कहीं कोई कठिनाई आ रही है तो मप्र बाल संरक्षण आयोग से सीधे https://www.cpcr.mp.gov.in/ पर संपर्क कर सकते हैं। हमारी वेबसाइट पर अनेक बातें एवं सुविधाओं के बारे में जानकारियां दी गई हैं। आप आयोग के ई-मेल mpcpcr@gmail.com पर दोस्ते निवेदिता के नाम पत्र लिख सकते हैं। दूरभाष 0755-2559900/03/04/05/06 पर संपर्क कर सकते हैं।

गुजरात में इबोला की आशंका से बढ़ी सतर्कता

लेखक- कांतिलाल मांडोत

गुजरात में इबोला वायरस की आशंका ने स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अफ्रीकी देश कांगो से लौटे एक 37 वर्षीय युवक में इबोला जैसे लक्षण पाए जाने के बाद पूरे राज्य का स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट मोड पर आ गया है। युवक को पहले वडोदरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत और लक्षणों को देखते हुए बाद में अहमदाबाद सिविल अस्पताल में विशेष निगरानी के तहत भर्ती किया गया। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संपर्क ट्रेसिंग और निगरानी की प्रक्रिया तेज कर दी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरीज करीब दस दिन पहले कांगो से मुंबई पहुंचा था। मुंबई में कुछ दिन रुकने के बाद वह सिलवासा और दमण क्षेत्र गया तथा बाद में 22 मई को वडोदरा पहुंचा। 26 मई को उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। लगातार बुखार और वायरल हेमरेजिक फीवर जैसे लक्षण सामने आने पर डॉक्टरों ने उसे संदिग्ध इबोला मरीज मानते हुए विशेष निगरानी में रखा। मरीज की जांच रिपोर्ट में लीवर एंजाइम्स एसजीपीटी और एसजीओटी का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। इसके अलावा प्लेटलेट्स भी सामान्य से कम दर्ज किए गए, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई। इबोला वायरस दुनिया के सबसे खतरनाक संक्रमणों में गिना जाता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है और तेजी से गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। अफ्रीकी देशों में समय-समय पर इसके प्रकोप की खबरें आती रही हैं। यही कारण है कि कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे देशों से आने वाले यात्रियों की विशेष जांच की जा रही है। गुजरात सरकार ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की है ताकि किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान की जा सके। अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मरीज को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी निगरानी कर रही है। अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण से बचाव के लिए विशेष प्रोटोकॉल लागू किए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को पीपीई किट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। मरीज की अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक उसे पूरी तरह अलग निगरानी में रखा जाएगा। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों की पहचान की जा रही है। संपर्क में आए लोगों में कुछ को बुखार की शिकायत भी मिली है, इसलिए उनकी मेडिकल जांच और निगरानी शुरू कर दी गई है। एक चिकित्सक और कुछ विदेशी नागरिकों के संपर्क में आने की जानकारी भी सामने आई है। इन सभी लोगों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में रखा गया है। अहमदाबाद मनपा संचालित एसवीपी अस्पताल में भी तीन संदिग्ध मरीजों को क्वारंटीन किया गया है। अस्पताल प्रशासन ने विशेष वार्ड तैयार कर रखा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इलाज शुरू किया जा सके। डॉक्टरों का कहना है कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी और सतर्कता बेहद जरूरी है। संक्रमण की पुष्टि होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। इबोला जैसी बीमारियां केवल स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी बन जाती हैं। कोविड महामारी के बाद लोगों में संक्रामक रोगों को लेकर संवेदनशीलता बढ़ी है। ऐसे में किसी भी संदिग्ध मामले की खबर तेजी से चिंता का कारण बन जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते जांच और निगरानी से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट स्क्रीनिंग, अस्पताल निगरानी और संपर्क ट्रेसिंग जैसे कदम तेजी से शुरू किए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इबोला संक्रमण के शुरुआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, शरीर में दर्द, उल्टी और रक्तस्राव जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं। यदि समय पर इलाज और आइसोलेशन न किया जाए तो यह वायरस गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए विदेश यात्रा से लौटने वाले लोगों को किसी भी असामान्य लक्षण की स्थिति में तुरंत जांच करानी चाहिए और स्वास्थ्य विभाग को जानकारी देनी चाहिए। गुजरात सरकार की सक्रियता इस मामले में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग लगातार अस्पतालों को दिशा निर्देश जारी कर रहा है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित संक्रमण से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। एयरपोर्ट और अस्पतालों में निगरानी बढ़ा दी गई है तथा मेडिकल टीमों को अलर्ट रखा गया है। यह घटना एक बार फिर यह याद दिलाती है कि वैश्विक स्तर पर फैलने वाली बीमारियों का खतरा आज भी बना हुआ है।

आज जीटी से पार पाना आरआर के लिए आसान नहीं

हेड टू हेड रिकॉर्ड दे रहे गवाही

नई दिल्ली । 'आईपीएल– 2026' का दूसरा क्वालीफायर मुकाबला राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच शुक्रवार को खेला जाएगा। आरआर के खिलाफ जीटी का रिकॉर्ड शानदार रहा है। जीटी को पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने एलिमिनेटर

मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया। आरआर और जीटी के बीच आईपीएल में अब तक कुल 10 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 7 मुकाबलों में जीत जीटी के हाथ लगी है, जबकि राजस्थान रॉयल्स सिर्फ 3 मैच ही जीत सकी है। गुजरात टाइटंस अपने इस दमदार रिकॉर्ड को दूसरे क्वालीफायर में भी बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, राजस्थान रॉयल्स एलिमिनेटर मुकाबले के अपने प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी। आरआर के लिए एलिमिनेटर मुकाबले में सब कुछ सही घटा था। बल्लेबाजी में वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन बैटिंग करते हुए सिर्फ 29 गेंदों में 97 रनों की दमदार पारी खेली थी, तो ध्रुव जुरेल ने भी महज 21 गेंदों में 50 रन बनाए थे। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर की जोड़ी असरदार नजर आई थी। आर्चर ने तीन विकेट अपने नाम किए थे, जबकि बर्गर 2 विकेट लेने में सफल रहे थे। सुशांत मिश्रा और रवींद्र जडेजा ने भी दो–दो विकेट अपने नाम किए थे।

यूनिटी कपः

जमैका ने सेमीफाइनल में भारत को 2-0 से हराया, तीसरे स्थान के लिए होगी जिम्बाब्वे से भिड़ंत

लंदन । भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को द वैली में यूनिटी कप के दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से 0–2 से हार का सामना करना पड़ा। आठवें मिनट में कर्टनी क्लार्क के शानदार शुरुआती स्ट्राइक और 78वें मिनट में काहेम डिक्सन के गोल ने जमैका को फाइनल का टिकट दिलाया। इंग्लैंड की धरती पर साल 2002 के बाद अपना पहला मैच खेल रही भारतीय टीम अब 30 मई को तीसरे स्थान के प्लेऑफ में जिम्बाब्वे का सामना करेगी। जिम्बाब्वे को पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। खिताबी मुकाबले में नाइजीरिया की भिड़ंत पिछले साल की तरह ही जमैका से होगी। इस मैच में कई महत्वपूर्ण व्यक्तिगत पल देखने को मिले। नौफल पीएन और रिकी शाबोंग ने सीनियर नेशनल टीम में डेब्यू किया, जबकि एडमंड लालरिंडिका को भारत के लिए अपना पहला स्टार्ट मिला।

नंबर-1 बने वैभव

- एक ही पारी में कई बड़े रिकॉर्ड किए नाम
- गेल, जयसूर्या, वार्नर जैसे दिग्गज छूटे पीछे

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पॉवरफुल पारी खेली और कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। इसमें सबसे बड़ा रिकॉर्ड तो था एक सीजन सबसे ज्यादा छक्कों का जिसमें उन्होंने क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। ऐसे ही 9 बड़े रिकॉर्ड 97 रन की पारी खेलते हुए वैभव ने बनाए जिसमें वह नंबर 1 बने। वैभव ने इस पारी के बाद डेविड वॉर्नर, सनथ जयसूर्या और क्रिस गेल जैसे एक से बढ़कर एक दिग्गजों को पीछे छोड़ा। वैभव सूर्यवंशी ने 29 गेंद पर 97 रन की पारी खेली। 15 वर्षीय बल्लेबाज ने 334 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्होंने 12 छक्के और 5 चौके इस पारी में लगाए। वैभव की बल्लेबाजी देख किसी भी टीम का प्रशंसक क्यों ना हो, हर कोई उनका मुरीद होता दिखा।

सबसे ज्यादा छक्के

65 : वैभव सूर्यवंशी, 2026*
59 : क्रिस गेल, 2012
52 : आंद्रे रसेल, 2019
51 : क्रिस गेल, 2013
45 : जोस बटलर, 2022

पॉवरप्ले में ज्यादा छक्के

8 : वैभव सूर्यवंशी, न्यू चंडीगढ़, 2026*
7 : सनथ जयसूर्या, मुंबई, 2008
7 : जोस बटलर, दिल्ली, 2018
7 : जॉनी बेयरस्टो, मुंबई ब्रेबोर्न, 2022
7 : अभिषेक शर्मा, न्यू चंडीगढ़, 2026
7 : वैभव सूर्यवंशी, जयपुर, 2026

पॉवरप्ले में सबसे ज्यादा रन

490 रन : वैभव सूर्यवंशी (2026)*
467 रन : डेविड वॉर्नर (2016)
402 रन : ट्रेविस हेड (2024)
402 रन : साई सुदर्शन (2025)
382 रन : एडम गिलक्रिस्ट (2009)

सबसे ज्यादा रन बनाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी

680 रन : वैभव सूर्यवंशी (2026)*
625 रन : यशस्वी जायसवाल (2023)
616 रन : शॉन मार्श (2008)
573 रन : रियान पराग (2024)
549 रन : प्रभसिमरन सिंह (2025)

वैभव सूर्यवंशी ने प्लेऑफ की एक पारी में 12 छक्के लगा रचा इतिहास

सहवाग, गेल, वॉटसन समेत 7 सितारों को छोड़ा पीछे

प्लेऑफ के एक मैच में छक्के

वैभव सूर्यवंशी	12
शुभमन गिल	10
रजत पाटीदार	9
वीरेंद्र सहवाग	8
रिद्धिमान साहा	8
क्रिस गेल	8
शेन वॉटसन	8
श्रेयस अय्यर	8

वैभव सूर्यवंशी ने पिछली 15 पारियों में जो धूम मचाई है, उसके बाद यह कहना गलत नहीं होगा कि आईपीएल 2026 का यह सीजन उनके नाम से जाना जाएगा। 15 वर्षीय इस बल्लेबाज ने हर दिग्गज, हर विरोधी और हर क्रिकेट एक्सपर्ट को हैरान कर दिया है। एलिमिनेटर मुकाबले में बुधवार (27 मई 2026) को जिस तरह यह खिलाड़ी खेला वो काबिल ए तारीफ था। 29 गेंद पर 97 रन की पारी में वैभव ने 12 छक्के लगाए और एक प्लेऑफ मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इस मामले में भी वैभव क्रिस गेल, शेन वॉटसन, वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गज बल्लेबाजों से आगे निकल गए। वैभव सूर्यवंशी ने जहां 7 छक्के लगाते ही आईपीएल में क्रिस गेल के एक सीजन में 59 छक्के वाले महारिकॉर्ड को तोड़ा था। वहीं उसके बाद भी उनका बल्ला नहीं थमा और एक एक करके इस तूफानी बल्लेबाज ने 15 छक्के जड़ दिये। अपने छक्कों से वैभव ने लगातार सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों के छक्के छुड़ाए।

वैभव के फैन हुए सचिन तेंदुलकर

एलिमिनेटर मुकाबले के बीच किया खास पोस्ट

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने जो खेल दिखाया उससे क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर भी प्रसन्न हो गए। सचिन ने एलिमिनेटर मुकाबले के बीच ही एक्स पर खास पोस्ट किया और 15 वर्षीय वैभव की बैटिंग की तारीफ की। हालांकि, सचिन की यह तारीफ काफी तकनीकी थी। उन्होंने वैभव की 97 रन की पारी की सराहना करते हुए उनकी बल्लेबाजी की खासियत बताई। सचिन तेंदुलकर ने वैभव के बैट स्विंग का जिक्र किया। उन्होंने साथ ही वैभव सूर्यवंशी के फ्रंट फुट को आगे ले जाने और खुलकर खेलने की जमकर तारीफ की। मास्टर ब्लास्टर कुल मिलाकर 'बॉस बेबी' की बल्लेबाजी के फैन होते नजर आए।

सचिन तेंदुलकर ने किया स्पेशल पोस्ट

सचिन तेंदुलकर ने वैभव की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए एक्स पर लिखा, 'वैभव सूर्यवंशी के बल्ले का स्विंग शानदार है। उनकी बल्लेबाजी की सबसे अच्छी और सुंदर बात यह है कि वह जिस तरह अपने फ्रंट फुट को रूम बनाने के लिए आगे निकालते हैं। यह उनके पैर पर फेंकी जाने वाली गेंदबाजों के खिलाफ बेहतरीन तकनीक है।

29 गेंद, 97 रन, 12 छक्के

काव्या मारन ने भी ताली बजाकर बढ़ाया उत्साह, अभिषेक ने भी दी शाबाशी

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों की बैंड बजाते हुए बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 29 गेंद पर तूफानी 97 रन बनाए जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। वैभव 3 रन से ऐतिहासिक शतक से जरूर चूके लेकिन 334 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर 15 वर्षीय खिलाड़ी ने सभी को अपना मुरीद बना दिया। हैदराबाद की मालिक काव्या मारन भी खुद को ताली बजाने से नहीं रोक पाईं।

वैभव सूर्यवंशी ने किसी को नहीं छोड़ा– वैभव सूर्यवंशी ने इस मैच में किसी को भी नहीं बख्शा। पैट कमिंस पर उन्होंने लगातार तीन छक्के एक ओवर में लगाए।

काव्या मारन भी हुईं वैभव की मुरीद

वैभव सूर्यवंशी जब 29वीं गेंद पर 97 रन बनाकर आउट हुए तो पूरे स्टेडियम ने उनका खड़े होकर अभिवादन किया। सभी ने तालियां बजाईं और 15 वर्षीय बल्लेबाज की वाहवाही की। काव्या मारन भी निराश थीं लेकिन वैभव की बैटिंग पर तालियां बजाती दिखीं। हैदराबाद के खिलाडियों ने भी आउट होने के बाद वैभव से हाथ मिलाए।

इंडियन स्टार्टअप इंडस्ट्री के पोस्टर बॉय बायजू रवींद्रन हीरो से बने जीरो

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी देश की सबसे वैल्यूएबल स्टार्टअप रही बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन को सिंगापुर की एक अदालत ने 6 महीने जेल की सजा सुनाई है। उन्हें कोर्ट की अवमानना का दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई गई है और सजा के लिए 15 जून को पेश होने को कहा गया है। बायजू रवींद्रन को कभी भारतीय स्टार्टअप की सक्सेस स्टोरी का पोस्टर बॉय माना जाता था। इस एडटेक स्टार्टअप की वैल्यू 2022 में 22 अरब डॉलर पहुंच गई थी और उसने वैश्विक निवेशकों से 4 अरब डॉलर से अधिक जुटाए थे। दुनियाभर के निवेशकों ने इसमें पैसा लगाया था और आज वे अपना पैसा पाने के लिए कोर्ट में लड़ाई लड़ रहे हैं। आखिर अर्श से फर्श पर कैसे आई बायजू बायजू की स्थापना 2011 में हुई थी। यह वह दौर था जब देश में स्मार्टफोन का चलन और टेस्ट-प्रेप कल्चर का चलन बढ़ रहा था। लेकिन इसमें असली तेजी कोरोना काल में आई। लॉकडाउन के कारण स्कूल बंद हो गए और स्टूडेंट ऑनलाइन आ गए। बायजू ने इसका फायदा उठाते हुए आक्रामक मार्केटिंग की, शाहरुख खान और लियोनल मेसी जैसे दिग्गजों को अपना ब्रांड एंबेसेडर बनाया। इसके साथ ही आकाश, ग्रेट लर्निंग और एपिक जैसी कंपनियों का अधिग्रहण किया। इससे कंपनी की इमेज ग्लोबल एडटेक लीडर की बन गई और पैसा बरसने लगा। लेकिन कोरोना महामारी के बाद जैसे ही डिमांड सामान्य हुई, बायजू के रेवेन्यू की रफ्तार मंद हो गई जबकि ऑपरेशन कॉस्ट बढ़ गया। बायजू ने पूरी दुनिया में करीब 3 अरब डॉलर की खरीदारी की। इसके लिए कंपनी ने कर्ज लिया। इसमें से 1.2 अरब डॉलर का कर्ज विदेशी निवेशकों से लिया गया। अधिग्रहण से कंपनी ने दुनियाभर में अपने पैर पसारे लेकिन इससे कॉस्ट बहुत बढ़ गई।

स्मॉल-कैप स्टॉक टाइगर लॉजिस्टिक्स के शेयर पर शुक्रवार को होगी मार्केट की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी । मल्टीबैगर स्मॉल–कैप स्टॉक टाइगर लॉजिस्टिक्स के शेयर पर शुक्रवार, 28 मई को निवेशकों की नजर रहेगी। क्योंकि, कंपनी ने बुधवार को 31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए। शेयर पिछले सेशन में एनएसई पर 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 35.91 रुपये पर बंद हुआ। टाइगर लॉजिस्टिक्स का मार्च 2026 तिमाही में नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 65.53 प्रतिशत गिरकर 2.22 करोड़ रुपये रह गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 6.44 करोड़ रुपये था। मुनाफे में गिरावट का मुख्य कारण बढ़ते खर्च रहे। हालांकि, परिचालन से आय यानी रेवेन्यू में 41.96 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई और यह 162.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 114.50 करोड़ रुपये थी। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में कंपनी की कुल बिक्री 6.81 प्रतिशत बढ़कर 572.82 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 536.31 करोड़ रुपये थी। वहीं, सालाना नेट प्रॉफिट 20.33 प्रतिशत घटकर 21.52 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल में 27.01 करोड़ रुपये था। कंपनी ने 18 मई को एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि सरकारी उपक्रम बैंक नोट पेपर मिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने उस पर फिर से भरोसा जताया है। टाइगर लॉजिस्टिक्स को लगभग 2 करोड़ रुपये का एक साल का इंपोर्ट लॉजिस्टिक्स कांट्रैक्ट दिया है। इसके तहत कंपनी हवाई और समुद्री मार्ग से माल भाड़ा, कस्टम क्लीयरेंस और मैसूर स्थित प्लांट तक इंटरनल ट्रांसपोर्टेशन का काम संभालेगी। यह इंपोर्ट जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, थाईलैंड समेत कई देशों से होगा। कंपनी के हरप्रीत सिंह मल्होत्रा ने कहा कि इस कांट्रैक्ट के निन्यूवल से उनकी परिचालन क्षमताओं पर भरोसा साफ झलकता है।

6500 रुपये की नौकरी से की थी शुरुआत, आज 80 करोड़ का रेस्तरां साम्राज्य, कई शहरों में फैला बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। सफलता रातों-रात नहीं मिलती, इसके लिए बरसों की कड़ी मेहनत, सही विजन और अटूट धैर्य की जरूरत होती है। यह बात कारीगरी वेंचर्स लिमिटेड के मालिक योगेश शर्मा की कहानी पर बिल्कुल सटीक बैठती है। साल 2007 में मुंबई में महज 6500 रुपये की मासिक सैलरी से अपने करियर की शुरुआत करने वाले योगेश आज 80 करोड़ रुपये से अधिक के टर्नओवर वाली प्रीमियम डाइनिंग चेन के मालिक हैं। मीडिया जगत से अपने सफर की शुरुआत करने वाले योगेश शर्मा ने लगभग दो दशकों में व्यापार जगत में एक अनूठी पहचान बनाई है।

योगेश शर्मा के भीतर का उद्यमी काफी पहले से आकार ले रहा था। मीडिया सेक्टर में नौकरी करने के साथ-साथ उन्होंने साल 2010 में मुंबई में 20 सीटों वाला एक छोटा सा कैफे खोला। इसके लिए उन्होंने अपने पिता से 10 लाख रुपये का निवेश लिया था। कैफे चलाने के बावजूद उन्होंने अपनी नौकरी नहीं छोड़ी। इसके बाद वे दिल्ली लौट आए और रेस्तरां बिजनेस का विस्तार करने में जुट गए। 2021 में पड़ी 'कारीगरी' की नींव योगेश शर्मा के जीवन में सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2021 में आया। उस समय उन्होंने देश के मशहूर शेफ हरपाल सिंह सोखी के साथ मिलकर कारीगरी ब्रांड की नींव रखी। इस ब्रांड की शुरुआत 3 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश के साथ हुई थी। वर्तमान में योगेश शर्मा कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं, जबकि उनके भाई मनीष शर्मा बतौर सीओओ कामकाज संभाल रहे हैं।

नोएडा में हेडक्वार्टर वाले इस प्रीमियम ब्रांड के पास आज दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, देहरादून, बेंगलुरु, इंदौर और छत्तीसगढ़ में कुल 12 आउटलेट्स का मजबूत नेटवर्क है। यह एक पूरी तरह से शेफ-संचालित रेस्तरां ब्रांड है। यहां का वातावरण और रचनात्मक मेनू इसकी यूएसपी है। साधारण शुरुआत से करोड़ों का बिजनेस खड़ा करने वाले योगेश शर्मा नए उद्यमियों को बेहद व्यावहारिक और सरल सलाह देते हैं।

एलपीजी के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल की किल्लत

नईदिल्ली, एजेंसी। एलपीजी के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल की किल्लत की आ रही खबरों के बीच मोदी सरकार ने इनकी सप्लाई पर बड़ा अपडेट दिया है। सरकार ने भरोसा दिलाया कि सरकार ईंधन की सप्लाई बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते हालात पर नजर रखने के लिए बनाए गए अनौपचारिक मंत्री समूह की बैठक में अधिकारियों को देश की तैयारी और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोगों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी न करने की अपील की है। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'देश में आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह सामान्य है। पेट्रोल-डीजल-एलपीजी की घबराहट में खरीदारी न करें, क्योंकि सरकार सभी जरूरी चीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद से शानदार काम कर रही है।

देशभर में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पूरी तरह से पर्याप्त है। तेल में रुकावटों के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों का पूरा बोझ खुदरा उपभोक्ताओं पर नहीं डाला है। वे करीब 550 करोड़ रुपये प्रतिदिन का नुकसान का बोझ उठा रही हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि राहत केवल घरेलू खपत के लिए है, लेकिन एक पैटर्न सामने आया है कि कई इंडस्ट्रियल कंज्यूमर अपनी औद्योगिक खरीदारी छोड़कर खुदरा स्तर पर सस्ता ईंधन खरीद

रहे हैं। साथ ही कुछ डीलरों द्वारा ब्लैक मार्केटिंग के मामले भी सामने आए हैं। केंद्र और राज्य सरकारों ने मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। इंडियन ऑयल के मुताबिक दिल्ली में 14.2 किलो वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर आज 913 रुपये और 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 3071.50 रुपये का है। गुरुग्राम में घरेलू 921.50 रुपये और कमर्शियल 3,088 रुपये है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़्वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)